

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस पर
'गुरुजी' को याद करते हुए
किया भावुक पोस्ट



शिक्षक, जीवन को दिशा देने
वाले दीपस्तंभ : हेमंत सोरेन
शिक्षकों को दी बधाई और
शुभकामनाएं

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हर
खास मौके पर अपने पिता दिशाम

गुरु शिबू सोरेन की कमी को
महसूस कर रहे हैं। वह अपनी
भावना को सोशल मीडिया पर लिख
कर व्यक्त कर रहे हैं। शुक्रवार को
शिक्षक दिवस था। इस मौके पर
हेमंत सोरेन का पिता के साथ छुटने
का दर्द एक बार फिर निकल कर
सामने आया। उन्होंने सोशल
मीडिया पर पिता शिबू सोरेन के

साथ एक तस्वीर साझा करते हुए,
लिखा शिक्षक, जीवन को दिशा देने
वाले दीपस्तंभ होते हैं। आज
शिक्षक दिवस पर मैं सभी गुरुजनों
और शिक्षकों को नमन करता हूं।
हेमंत सोरेन ने लिखा कि मेरे
शिक्षक, मेरे मार्गदर्शक हैं, स्मृति
शेष बाबा दिशाम गुरुजी। स्नेह,
संघर्ष, संवेदनशीलता और तटस्थता

से भरा उनका जीवन मेरे लिए सदैव
प्रेरणास्रोत रहा है। आज बाबा
सशरीर साथ नहीं हैं, लेकिन उनकी
सीख, उनके विचार और आदर्श
हमेशा शक्ति प्रदान करते रहेंगे।
शिक्षक दिवस पर सभी को अनेक-
अनेक बधाई, शुभकामनाएं और
जोहार। बाबा दिशाम गुरु शिबू
सोरेन अमर रहें!



हेमंत सोरेन द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गयी तस्वीर।

'मेरे शिक्षक-मार्गदर्शक हैं स्मृति शेष बाबा दिशोम गुरु'

पछतावा या नया पैतरा!

हमने भारत को चीन के हाथों खो दिया: ट्रंप

- भारत और रूस का भविष्य अछा होने की कामना की
- एक दिन पहले कोर्ट में भारत पर टैरिफ लगाने को जरूरी बताया था

एजेंसी

वॉशिंगटन। भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। गुरुवार को कोर्ट में भारत पर टैरिफ लगाना जरूरी बताया। इसके दूसरे दिन शुक्रवार को एक नया बयान पोस्ट किया।

जिसमें भारत-रूस-चीन के बीच बढ़ती नजदीकी को लेकर बयान दिया है। यह बयान ट्रंप का पछतावा है या नया पैतरा। यह तो भविष्य में पता चलेगा, फिलहाल इसे अलग-अलग नजरिये से देख जा रहा है। ट्रंप ने आशंका जतायी है कि रूस और



ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गयी तस्वीर।

एससीओ की तस्वीर वायरल होने के बाद ट्रंप ने किया पोस्ट

दरअसल हाल ही में चीन के तियानजिन में आयोजित एससीओ बैठक में नरेंद्र मोदी, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की तिकड़ी की खूब चर्चा हुई। तीनों नेताओं एक-दूसरे से बात करते हुए दिखायी दिये। तीनों की तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। माना जा रहा है कि इन्हीं सब को देखते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। ट्रंप ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद है उनका भविष्य अछा होगा।

यूएस कोर्ट में चल रही मामले की सुनवाई

भारत पर 50% टैरिफ लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गये हैं। भारत समेत बाकी देशों पर हाई टैरिफ लगाने के मामला की सुनवाई यूएस कोर्ट में चल रही है। ट्रंप ने गुरुवार को कोर्ट में भारत पर टैरिफ लगाने को जरूरी बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान होगा।

भारत अब चीन के पाले में जा चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक साथ वाली तस्वीर भी साझा की है।

देवघर में चोरी का विरोध करने पर वृद्धा की हत्या

बाहर के कमरे में सो रही थी महिला, सिर पर चोट के निशान

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। देवघर में चोरी का विरोध करने पर चोरों ने 81 वर्षीय वृद्धा की हत्या कर दी। घटना गुरुवार की देर रात रिक्रिया थाना क्षेत्र के फतेपुर गांव की है। घर से कई सामान भी गायब मिले हैं। परिजनों के अनुसार, घर से करीब चार लाख रुपये की संपत्ति की चोरी हुई है। मृतका की पहचान कमली देवी के रूप में हुई है। घटना के वक्त कमली देवी घर के बाहरी कमरे में सो रही थी। कमरे में लगा ताला टूटा मिला:



मृतका के पौत्र संदीप कुमार रावत ने बताया कि रात में खाना खाने के बाद सभी सो गये थे। सुबह

जब हम लोग नींद से जागे, तो देखा कि कमरे में लगा ताला टूटा हुआ है। साथ ही कई सामान बिखरे मिले। बॉक्स खाली पड़ा था। बगल कमरे में सो रही दादी बिस्तर से नीचे जमीन पर खून से लथपथ हालत में गिरी मिली। उस समय उनकी सांसें चल रही थीं। परिजन तुरंत कमली देवी को कुंडा के एक निजी अस्पताल ले गये। वहां डॉक्टर नहीं मिलने पर देवघर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

किसी भारी वस्तु से वार किया गया

संदीप के अनुसार चोरों ने घर में प्रवेश किया और दादी के विरोध करने पर उनके सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया है। इसके बाद चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। इधर, रिक्रिया थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

सेना को मिलेंगे 2200 टैंक

नयी दिल्ली। भारतीय सेना को अगले 15 सालों में 2200 नये टैंक और 6 लाख गोले दिये जायेंगे। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को सेना के लिए 15 साल का रोड-मैप जारी किया।

देवघर की शिक्षिका श्वेता शर्मा को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित, देश के 45 शिक्षकों को मिला पुरस्कार

अजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। देवघर की शिक्षिका श्वेता शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 प्राप्त कर पूरे झारखंड का मान बढ़ाया है। नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने देश के 45 शिक्षकों को सम्मानित किया। इनमें से एक झारखंड के देवघर की श्वेता शर्मा भी हैं। इस पुरस्कार के तहत उन्हें 50,000 रुपये की नगद राशि, रजत पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और केन्द्रीय मंत्री



जयंत चौधरी भी मौजूद रहे। शिक्षण शैली और नवाचारों के लिए पुरस्कृत हुई: चयन प्रक्रिया में श्वेता ने सात मिनट की प्रस्तुति में अपनी शिक्षण शैली और नवाचारों

को जूरी के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। जूरी ने उनकी प्राथमिक कक्षाओं में खेल-आधारित शिक्षण और अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की

क्षमता की विशेष सराहना की। श्वेता ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि बच्चों को जीवन के लिए तैयार करने का माध्यम है।

नवाचार और समर्पण का प्रतीक हैं श्वेता शर्मा

देवघर के विवेकानंद राजकीय मध्य विद्यालय में कार्यरत श्वेता शर्मा ने अपनी अनूठी शिक्षण शैली से न केवल बच्चों का दिल जीता, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनायी। 21 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय श्वेता ने अपनी रचनात्मक तरीके 'अबुआ जादूई पिता' के जरिये बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने का नया आयाम स्थापित किया। इस पितारे में सोहराई चित्रकला, पारंपरिक वाद्ययंत्र, और स्थानीय संस्कृति से जुड़े तत्व शामिल हैं, जो बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ते हुए पढ़ाई को रोचक बनाते हैं।

भू-धंसान से आधा दर्जन घर जमींदोज, मवेदी, नगदी और जेवर गोफ में समाये
सर्विस वैन 400 फीट खाई में गिरी, चालक समेत पांच लोगों की मौत



राहत और बचाव में हुई देरी

घटना की सूचना मिलने के बाद बीसीसीएल के अधिकारी, सुरक्षा विभाग की टीम और रेस्क्यू दल सहित कतरास थाना, रामकनानी औपी और अंगारपथरा औपी की पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। फिर खाई में गिरी वैन को बाहर निकालने और मजदूरों की तलाश शुरू किया गया। हलाकि इसके पहले दो महिला पुरुष को चाल में दबे और विल्लाते हुए देखा गया। रेस्क्यू टीम देर से आने और बचाव कार्य में देरी होने के कारण महिला-पुरुष दोनों की मौत हो गयी।

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/कतरास। अंबे माइनिंग आउटसोर्सिंग कंपनी की लापरवाही के कारण शुक्रवार को रामकनानी औपी क्षेत्र में दिल दहला देने वाली दो बड़ी घटना घटित हुई। पहली घटना कुम्हार पट्टी में भू धंसान होने से चार घर और कई मवेसी सहित लोगों के कीमती सामान जमींदोज हो गये। लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गयी। लोग अपने घरों से भागने शुरू कर दिये। सूचना पाकर औपी प्रभारी घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुटे। वहीं दूसरी ओर अंबे माइनिंग आउटसोर्सिंग की सर्विस वैन स्लाइड कर करीब 400 फिट गहरी खाई में जा गिरी। जिसमें चालक सहित पांच कर्मी सवार थे। सभी की घटनास्थल पर मौत हो गयी। मामले की जानकारी मिलते ही बीसीसीएल के आला अधिकारी कतरास, अंगार पथरा, रामकनानी सहित कई थानों की पुलिस, सीआइएसएफ और जनप्रतिनिधि

घटनास्थल पर पहुंचे। बीसीसीसीएल की रेस्क्यू टीम ने वैन सहित तीन शवों को बाहर निकाला। घटना के बारे में पुलिस और अधिकारी कुछ बोलने से इनकार कर दिया। आउटसोर्सिंग कंपनी की लापरवाही से हुई घटना: प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि मां अंबे आउटसोर्सिंग कंपनी ने कोयला खनन के दौरान खदान सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं किया। डीजीएमएस के अनुसार, खदान की दीवारों को सीढ़ीनुमा (बेंचनुमा) बनाना अनिवार्य होता है, जिससे जमीन धंसने का खतरा कम हो

जाता है। लेकिन कंपनी ने दीवारें सीधी रखीं, जिससे लैंडस्लाइड हुई। स्थानीय प्रशासन सतर्क, जांच के आदेश: हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिये हैं। बीसीसीएल और डीजीएमएस की टीम मौके पर पहुंचकर तकनीकी जांच कर रही है। मजदूरों की सुरक्षा को लेकर आउटसोर्सिंग कंपनियों को कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने खनन कंपनियों की लापरवाही पर नाजगमी जतायी है और मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)

BEST FRONTIER UNIVERSITY IN JHARKHAND

140000+ BOOKS AVAILABLE IN LIBRARY

150+ QUALIFIED EXP. & MOTIVATED FACULTY

150+ AGE CAMPUS

300+ RESIDENTIAL BOYS & GIRLS HOSTELS

1500+ REGISTERED STUDENTS

LABS WITH MODERN TOOLS & EQUIPMENTS

RAGGING FREE CAMPUS

Where dreams BECOME REALITY

CAREER-ORIENTED PG/UG/DIPLOMA PROGRAMMES

Programs Approved by AICTE & Apex Bodies

Faculty of Engg. & Tech

B.Tech

- Civil Engineering
- Electrical and Electronic Eng.
- Computer Science & Eng.
- CSE (Artificial Intelligence)
- CSE (Cyber Security)

Polytechnic / Diploma

- Civil Engineering
- Mechanical Eng.
- Electrical and Electronic Eng.
- Computer Science & Eng.
- Electrical Engineering

Faculty of Law

- LL.B. ■ B.A. LL.B. ■ B.B.A. LL.B

Faculty of Management

- Bachelor of Business Administration (BBA)
- Master of Business Administration (MBA)

Faculty of Information Tech.

- Bachelor of Computer Application (BCA)
- Master of Computer Application (MCA)
- Post Graduation in Computer Application (PGCA)

Faculty of Education

- Bachelor of Elementary Education (B.Ed)
- Diploma of Elementary Education (D.El.Ed.)
- M.A (Education)

Faculty of Arts & Social Science

- B.A (Hindi) ■ B.A (English) ■ B.A (Sanskrit)
- B.A (Economics) ■ B.A (Psychology)
- B.A (Sociology) ■ M.A (Hindi) ■ M.A (English)
- M.A (Sanskrit) ■ M.A (Economics)
- M.A (Psychology) ■ M.A (Sociology)

ADMISSION OPEN SESSION 2025-26

Faculty of Pharmacy

- Diploma in Pharmacy (D.Pharm)
- Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)

Faculty of Dental Science

- Bachelor of Dental Surgery (BDS)
- Master of Dental Surgery (MDS)

Faculty of Homeopathy

- Bachelor of Homeopathic Medicine & Surgery- BHMS
- M.D Homeopathy ■ B.Sc Medical Pathology
- B.Sc Medical Biochemistry ■ B.Sc Medical Microbiology
- M.Sc Medical Microbiology
- M.Sc Medical Biochemistry

Faculty of Nursing & Allied Health Science

- Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. Nursing)
- General Nursing and Midwifery (GNM)
- Auxiliary Nurse Midwives (ANM)

Paramedical

- OT ■ DMLT ■ ECG ■ X-RAY
- Medical in Sanitary Inspector
- Medical in Ophthalmic Assistant
- Medical in Certificate in Dresser

Library Science

- B.Lib.I.Sc. ■ M.Lib.I.Sc

Faculty of Science

- B.Sc. (Mathematics) ■ B.Sc. (Chemistry) ■ B.Sc. (Physics)
- B.Sc. (Botany) ■ B.Sc. (MLT) ■ B.Sc. (Zoology)
- B.Sc. (Pathology) ■ B.Sc. (Biochemistry) ■ B.Sc. (Microbiology)
- M.Sc. (Mathematics) ■ M.Sc. (Chemistry) ■ M.Sc. (Physics)
- M.Sc. (Botany) ■ M.Sc. (Zoology) ■ M.Sc. (Physiology)
- M.Sc. (Biochemistry) ■ M.Sc. (MLT) ■ M.Sc. (Microbiology)

Faculty of Commerce

- B.Com ■ M.Com

TRANSPORT FACILITIES

HOSTEL FACILITIES

LUSH GREEN CAMPUS

WI-FI CAMPUS

WORLD CLASS INFRASTRUCTURE

100% PLACEMENT ASSISTANCE

Admission Helpline: 9661462506, 6206297213, 9934688493

Farathiya, Garhwa-822114, Jharkhand <https://bdsu.ac.in/>

रागिनी बनाम पूर्णिमा : नीरज सिंह हत्याकांड में अदालत के फैसले के बाद अब न्याय और राजनीति की जंग होगी और तेज

सुनील भंडारी
धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद की राजनीति एक बार फिर उबाल पर है। नीरज सिंह हत्याकांड में निचली अदालत से पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह समेत सभी आरोपितों की बरी होने के बाद अब यह मामला सिर्फ अदालती नहीं, बल्कि पूरी तरह से राजनीतिक भी हो गया है। इस फैसले के साथ ही कांग्रेस नेत्री पूर्णिमा नीरज सिंह और भाजपा विधायक रागिनी सिंह के बीच वर्षों से चल रही सियासी और पारिवारिक जंग एक नये मोड़ पर पहुँच गयी है।

जिन्होंने गोली चलायी, वे कौन थे : पूर्णिमा

पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने अदालत के फैसले को अन्यायपूर्ण बताते हुए जस्टिस फॉर नीरज अभियान की शुरुआत की है। जिस स्थान पर 2017 में उनके पति नीरज सिंह और उनके तीन सहयोगियों की सरेआम गोली मारकर हत्या की गयी थी, वहीं स्टील गेट पर उन्होंने मोमबत्ती जलाकर न्याय की मशाल उठायी। पूर्णिमा ने भावुक होते हुए कहा, चार लोगों की नृशंस हत्या के बाद अदालत कहती है कि किसी ने नहीं मारा? फिर मारे किसने? अगर आज हम चुप हो गये तो कल किसी और की बारी होगी। हम हाइकोर्ट और जकरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट तक जायेंगे। हत्यारों को फांसी के फंदे तक पहुँचा कर ही दम लेंगे।

रागिनी सिंह का पलटवार: कानूनी लड़ाई अब भी बाकी है
वहीं अदालत के फैसले के बाद झरिया की भाजपा विधायक

रागिनी सिंह ने संजीव सिंह की रिहाई पर जश्न मनाते हुए इसे न्याय की जीत बताया। रागिनी ने कहा कि आठ साल पांच महीने तक एक निर्दोष व्यक्ति को सलाखों के पीछे रखने वालों को हिसाब देना होगा। जिन लोगों ने राजनीतिक साजिश के तहत हमारे परिवार को बदनाम किया, अब हम उनसे कानून के दायरे में जवाब मांगेंगे।

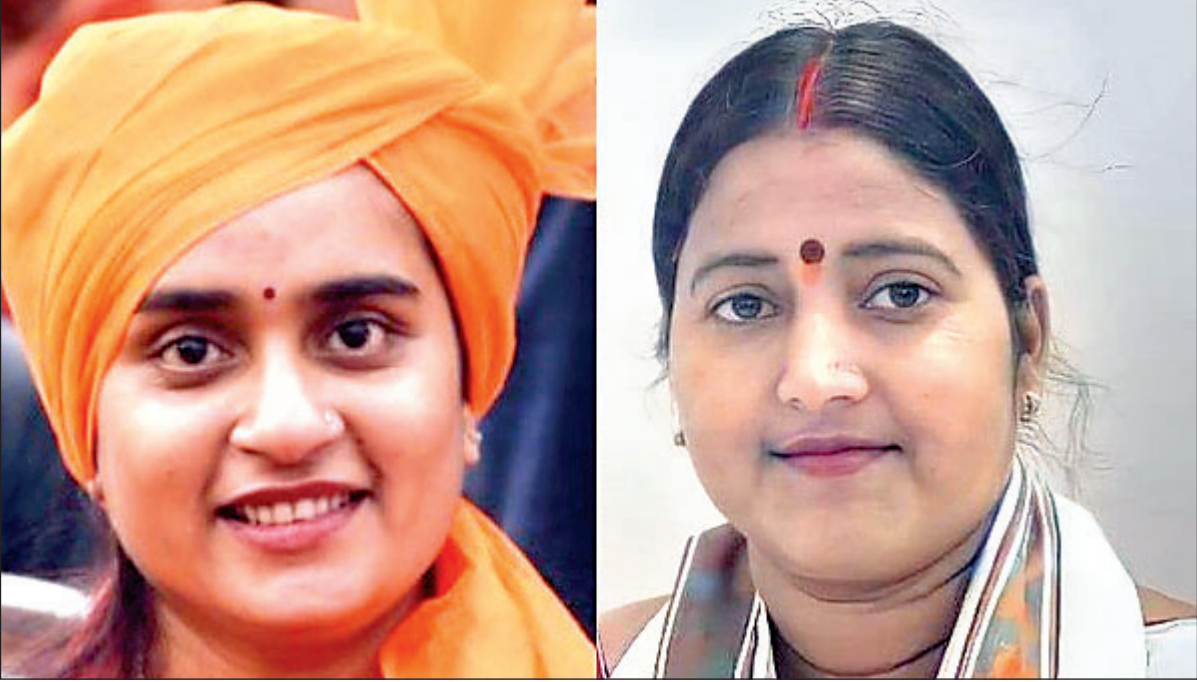
रागिनी ने यह भी कहा कि उनका परिवार न्यायपालिका में पूरी आस्था रखता है और यदि किसी को अदालत के फैसले पर आपत्ति है तो वह उच्च अदालत जा सकता है।

2017 की वह भयावह शाम, जिसने धनबाद को झकझोर दिया था

21 मार्च 2017 की शाम झरिया के स्टील गेट पर गोलीबारी की वह घटना आज भी धनबाद के लोगों की स्मृति में ताजा है। कांग्रेस नेता और पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह, उनके अंगरक्षक, चालक और पीए को गोलियों से भून दिया गया था। आरोप सीधे तौर पर नीरज के चचेरे भाई और तत्कालीन भाजपा विधायक संजीव सिंह पर लगे। घटना के बाद संजीव सिंह ने आत्मसमर्पण किया और करीब आठ साल जेल में रहे।

राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की लंबी फेहरिस्त

इस हत्याकांड ने दो महिलाओं-पूर्णिमा और रागिनी के बीच ऐसी राजनीतिक लड़ाई की नींव रखी, जिसकी मिसाल पूरे झारखंड में कम ही देखने को



मिलती है। 2019 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की पूर्णिमा सिंह ने भाजपा की रागिनी सिंह को हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिकस्त दी और झरिया सीट भाजपा के पाले में लौटी। अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, यह जंग केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम साजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

कोयलांचल की राजनीति और 'हत्या की विरासत'
धनबाद, विशेषकर झरिया क्षेत्र, लंबे समय से राजनीतिक हत्याओं का गवाह रहा है। लेकिन नीरज सिंह हत्याकांड कोयलांचल का अब तक का सबसे बड़ा और सनसनीखेज मामला माना गया। कोर्ट का ताजा फैसला इस अधूरे न्याय की बहस को फिर हवा दे रहा है।

क्या आगे बढ़ेगी सीबीआइ जांच की मांग?

पूर्णिमा सिंह लगातार सीबीआइ जांच की मांग करती रही हैं। उनका आरोप है कि तत्कालीन भाजपा सरकार ने राजनीतिक दबाव में उनकी मांग नहीं मानी। अब जबकि न्याय की तलाश फिर से तेज हो गयी है, इस बात की भी प्रबल संभावना है कि वह इस मामले को राष्ट्रीय पटल तक ले जायें।

न्याय और राजनीति की दो राहें, लेकिन मंजिल एक-जीत का दावा

एक तरफ पूर्णिमा नीरज सिंह हैं, जो न्याय के नाम पर आंदोलन और जनसमर्थन जुटा रही हैं। दूसरी तरफ रागिनी सिंह हैं, जो कानूनी जीत को अपनी राजनीतिक पुंजी में बदलने को तैयार दिख रही हैं। धनबाद का अगला चुनावी संग्राम अब केवल विकास, रोजगार और बिजली-पानी के मुद्दों पर नहीं, बल्कि कौन सच बोल रहा है और कौन झूठ? जैसे सवालों पर लड़ा जायेगा। झरिया की पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज

सिंह पर अधिवक्ता वकार युनुस ने धनबाद कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। अधिवक्ता युनुस का आरोप है कि दिनांक 1 सितंबर को संध्या 6:00 बजे से 7:30 बजे के बीच पूर्णिमा सिंह ने मीडिया को संबोधित करते न्यायपालिका एवं न्यायाधीश के संबंध में आपत्तिजनक और अनुचित भाषा का प्रयोग किया। उनका कहना है कि यदि पूर्णिमा सिंह न्यायालय के किसी निर्णय से असंतुष्ट थीं, तो उन्हें विधिसम्मत तरीके से उच्चतर न्यायालय में अपील करनी चाहिए थी, न कि सार्वजनिक मंच से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों का प्रयोग करना चाहिए था।

झरिया के चर्चित नीरज सिंह हत्याकांड के कुछ दिन पहले रंजय सिंह की हत्या के बाद नीरज हत्याकांड की योजना बनायी गयी थी।

कयास लगाये जा रहे हैं कि रंजय के भाई, संजय सिंह ने ही नीरज सिंह की हत्या की योजना बनायी थी। रंजय सिंह पूर्व विधायक संजीव सिंह के करीबी माने जाते थे, और यह घटना रघुकुल आवास के पास हुई थी। इस हत्या का आरोप सीधे तौर पर हर्ष सिंह पर लगा था।

बताया जाता है कि रंजय सिंह और हर्ष सिंह के बीच दुश्मनी धनबाद के कोयला नगर कार्यालय से शुरू हुई थी, जहां दोनों ने एक-दूसरे से देख लेने की धमकी दी थी। इस तनाव के बाद ही झरिया निवासी रंजय सिंह की हत्या अपराधियों ने कर दी थी। सूत्रों के मुताबिक, रंजय सिंह अपनी स्कूटी पर सवार होकर गिंग बाजार की ओर जा रहे थे, तभी शाम 5 बजे के आसपास उनकी निर्मम हत्या कर दी गयी थी।

आदिवासी बहुल गांवों के विकास के दावों की पोल खोल रहे हैं तोरपा के कई गांव

बिजली, सड़क, पानी, चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाओं से महरूम हैं आदिवासी
बरसात के दिनों में चार महीने टापू बन जाते हैं कई गांव, बच्चे स्कूल नहीं जा पाते

अनिल मिश्रा
खूंटी (आजाद सिपाही)। अधिकारी चाहे आदिवासियों और आदिवासी बहुल गांवों के विकास के कितने ही दावे कर लें, पर गांवों की जमीनी सच्चाई इससे इतर नजर आती है। आजादी के 78 वर्षों के बाद भी सुदूर दुर्गम पर्वतीय इलाकों के गांवों की न तो तस्वीर बदली है और न ही गांव वालों की तकदीर। खूंटी जिले के साँकड़ों गांव अधिकारियों के दावों की पोल खोल रहे हैं। आज भी ऐसे गांव हैं, जहां के लोग बिजली, सड़क, पानी, चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाओं से महरूम हैं। आदिवासियों और उनके गांवों के विकास के लिए हर साल करोड़ों रुपये बहाये जाते हैं, पर इसका कितना लाभ उन्हें मिल रहा है और गांव वालों का दर्द क्या है, इसे देखने और समझने वाला कोई नहीं है। उदाहरण के तौर पर हम तोरपा प्रखंड के एक पिछड़े गांव को ले सकते हैं। तोरपा प्रखंड के सबसे अंतिम छोर और पश्चिमी सिंहभूम की सीमा पर बसे हैं सौंढी टापू टोला और सौंढी गिरजाटोला। इन दोनों टोलों में लगभग दस परिवार रहते हैं। दोनों गांव दो तरफ से नदियों से तो दो ओर पहाड़ों से घिरे हैं। गांव में जाने के लिए कोई सड़क नहीं है। गांव तक पहुँचने के लिए पंगडंडी के सहारे पैदल पांव चलना पड़ता है। किसी के बीमार होने पर एंबुलेंस तक

गांव में नहीं पहुँच पाती। गांव के लोग मरीज को खाट पर ढोकर तोरपा या खूंटी के अस्पताल तक ले जाते हैं। सालों भर दोनों टोलों के लोग आवागमन की समस्या से जूझते रहते हैं। लोग ऊंची-नीची पगडंडियों से होकर आना-जाना करते हैं। कारो व बर्नई नदी में पुल नहीं होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पुल न होने का दर्द मरीजों के चेहरे और उनके स्वजनों पर तो नजर आता ही है, सबसे विकट समस्या गर्भवती महिलाओं को झेलनी पड़ती है। वाहनों के लिए रास्ता न होने के कारण उन्हें खाट पर लादकर अस्पताल पहुँचाया जाता है, जो कभी-कभी उनके लिए जानलेवा साबित होता है। अधिक परेशानी होने पर घर में ही महिला का प्रसव कराया जाता है।

बारिश में चार महीने बच्चे स्कूल नहीं जाते

नदियों पर पुल न होने का सबसे अधिक कष्ट छोटे-छोटे स्कूली बच्चों को होता है। बरसात के मौसम में चार महीने तक बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। बरसात में दोनों गांव चार महीनों तक टापू बना रहता है। चार महीने टापू के रूप में तब्दील होने के कारण ही संभवतः गांव का नामकरण सौंढी टापू टोला किया गया है। बरसात के दिनों में लोग गांव से बाहर नहीं निकल पाते हैं। बरसात के दिनों में नदियां अपने रौद्र रूप में रहती हैं, जिसे पार करना असंभव होता है। गांव के लोग बताते हैं कि हर साल बरसात के मौसम में यही स्थिति रहती है। पहले से ही पूरे बरसात के लिए गांव वाले राशन, पानी जमा करके रखते हैं, ताकि खाने-



पीने की दिक्कत न हो। चावल, दाल, नमक, तेल, आलू, सोयाबीन बड़ी, साबुन, जरूरी दवा आदि का स्टॉक रख लेते हैं।

तीन दिन तक गांव नहीं लौट पाये थे तीन परिवार

एक सप्ताह पूर्व नदी में बाढ़ आ जाने के कारण टापू टोला के तीन परिवार के आठ लोग तीन दिनों तक गांव नहीं लौट पाये थे। इस गांव के लोगों का खेत नदी के पार में है। तीनों परिवार के लोग खेती करने सुबह में गये हुए थे। तभी मूसलाधार बारिश होने लगी। दोपहर बाद खेती-बारी का काम खत्म कर वापस गांव जाने के लिए निकले। तभी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। ग्रामीणों को लौटकर दूसरे गांव में शरण लेनी पड़ी थी। सौंढी गिरजाटोली और टापू टोली के लोग वर्षों से बर्नई और कारो नदी पर पुल बनाने की मांग करते आ रहे हैं, पर आजादी के 78 वर्ष बाद भी उनकी मांग पूरी नहीं हो सकी। पुल के लिए कई बार सरकारी अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा गया, पर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी उम्पेक्षा से गांव के लोग आहत हैं। ग्रामसभा में एक स्वर से अधिकारियों से बर्नई नदी में पुल बनवाने व गांव तक जाने के लिए सड़क बनवाने की मांग की गयी।

क्या कहते हैं ग्रामीण?

ग्रामीण आनंद मसीह बोदरा का कहना है कि ग्रामसभा में एक

पावल बरजो ने बताया कि टापू टोला गांव तक जाने के लिए बर्नई नदी तथा कारो नदी पार करना पड़ता है। दोनों नदियों पर पुल नहीं है। बरसात के दिनों में गांव में कैद होकर रहना पड़ता है। काफी परेशानी होती है। बसंत गुडिया ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है। हर वर्ष बरसात में गांव टापू बन जाता है। परेशानी तब और होती है जब कोई बीमार पड़ जाये। एहतियात के तौर पर सामान्य दवाइयां घर में रख लेते हैं। बाकि भगवान भरोसे छोड़ देते हैं। सलीम बोदरा ने कहा कि गांव तक जाने के लिए न सड़क है न पुल। पगडंडियों के सहारे आने-जाने में काफी परेशानी होती है। बरसात के दिनों में तो साईकिल चलाना भी मुश्किल होता है। सड़क और पुल बनना बहुत जरूरी है। ग्रामीण असरिता बोदरा ने बताया कि बरसात के दिनों में चार महीना बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। बच्चे गांव में खेलकूद करके समय बिताते हैं। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। सरकार को जल्द इस ओर ध्यान देना चाहिए।

बीडीओ का समस्या के समाधान का आश्वासन

दोनों गांवों की इस समस्या के संबंध में पूछे जाने पर तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा ने कहा कि यह उनके संज्ञान में है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से पत्राचार किया गया है। समस्या के जल्द समाधान का प्रयास किया जा रहा है।

चर्चा: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में ये चेहरे आगे



आजाद सिपाही संवाददाता
नयी दिल्ली। देश के राजनीतिक गलियारों में यह सवाल फिर से उठ रहा है कि बीजेपी को उसका राष्ट्रीय अध्यक्ष कब मिलेगा। इस बात की चर्चा तेज है कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ही पार्टी अपने अध्यक्ष का एलान करेगी लेकिन सवाल यह है कि पार्टी किस नेता को अध्यक्ष बनायेगी, इसे लेकर तमाम नाम पिछले कई महीनों में मीडिया में सामने आ चुके हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे चल रहा है। फडुनवीस के अलावा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी इस पद के दावेदारों की दौड़ में शामिल हैं। यह सवाल भी लगातार उठ रहा है कि आखिर बीजेपी जिसे कार्यकर्ता आधारित पार्टी माना जाता है उसे अध्यक्ष का चयन करने में इतना वक्त क्यों लग रहा है। राजनीति में जातीय और क्षेत्रीय समीकरण काफी मायने रखते हैं। इसलिए बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन में काफी फूंक-फूंककर कदम रख रही है और माना जा रहा है कि इस मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राय भी काफी अहम होगी। मीडिया में आयी खबरों के मुताबिक, फडुनवीस को बिहार विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जा सकता है। फडुनवीस इस पद के लिए अपेक्षाकृत युवा हैं और उन्हें आरएसएस के साथ ही पार्टी नेतृत्व का समर्थन भी हासिल है। फडुनवीस ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। पुरुषोत्तम रुपाला गुजरात की राजकोट सीट से सांसद हैं। वह मोदी सरकार में मंत्री रह चुके हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी माने जाते हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और धर्मेन्द्र प्रधान के नाम की भी जबरदस्त चर्चा चल रही है। चौहान लंबे वक्त तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। चौहान और धर्मेन्द्र प्रधान दोनों ही ओबीसी वर्ग से आते हैं। बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव का मामला काफी लंबा खिंच चुका है और अब भी इस सवाल का जवाब नहीं मिल पा रहा है कि पार्टी इस बारे में फैसला लेने में कितना और वक्त लेगी? मौजूदा वक्त में जेपी नड्डा पार्टी अध्यक्ष की भूमिका में हैं और वह मोदी सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय संभाल रहे हैं।



चितरपुर में भीषण सड़क हादसा एक की मौत, छह घायल

ऑटो पर सवार लोग मां छिनमस्तिका की पूजा करने मंदिर जा रहे थे

आजाद सिपाही संवाददाता

रजरप्पा/रामगढ़। रामगढ़ जिला के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार सड़क दुर्घटनाएं घट रही है। सड़क दुर्घटनाओं में जान माल का नुकसान हो रहा है। कभी रामगढ़ रांची मार्ग पर घाटी में सड़क दुर्घटनाएं हो रही है, कभी रामगढ़ बोकारो मार्ग पर सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। जिला के इन दो प्रमुख मार्गों में लगातार दुर्घटनाएं घट रही है। इसी क्रम में

शुक्रवार को चितरपुर के ओवरब्रिज के समीप पिकअप वैन जेएच01ईपी- 9531 और ऑटो जेएच02पी-9077 के बीच जोरदार टक्कर हो गयी। टक्कर के बाद ऑटो पलट गया। इस दुर्घटना में एक की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार 7-8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। ऑटो पर सवार लोग रजरप्पा मंदिर पूजा अर्चना करने जा रहे थे। दुर्घटना के बाद घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी। पुलिस और स्थानीय लोगों ने सभी दो प्रमुख मार्गों में लगातार दुर्घटनाएं घट रही है। इसी क्रम में

उरीमारी में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के मौके पर निकाला गया भव्य जुलूस



उरीमारी (आजाद सिपाही)। उरीमारी चेक पोस्ट कालोनी स्थित मदरसा में ईद -ए - मिलाद-उन-नबी हजरत मोहम्मद साहब की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को एक भव्य जुलूस का आयोजन किया गया। यह जुलूस मदरसा सीमा से प्रारंभ होकर पिल्ला व्वाटर, सी टाइप, थाना कॉलोनी होते हुए चेक पोस्ट तक निकाला गया। थाना कालोनी में उरीमारी पंचायत के उपमुखिया सतीश कुमार ने जुलूस में शामिल लोगों को लड्डू खिलाकर और शरबत पीलाकर स्वागत किया। वहीं चेक पोस्ट स्थित सिंदो-कान्हू चौक समीप भाजपा नेता सुनील उरांव, सिकंदर सोरेन, मदन करमाली, दशरथ प्रजापति ने मिठाई खिलाकर जुलूस का स्वागत किया। इस दौरान विधि व्यवस्था बनाये रखने, शांति पूर्ण और गरिमामयी वातावरण में संपन्न कराने के लिए उरीमारी थाना प्रभारी रघु उरांव, एएसआइ संजय यादव दल बल के साथ मुस्तैद दिखें। वहीं जुलूस में शामिल लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। जुलूस में सराफत अली, फारुख खान, अब्बास, मोहम्मद हसन, सेक्रेट्री मुमताज मियां, सदर फिरोज, तसलीम अंसारी, अली, मकुर आलम, सयुब, जुनेद, वारिस अंसारी, सहित सैकड़ों महिला - पुरुष शामिल थे।

विधायक ने पतरातू झील के सुंदरीकरण कार्य का किया शिलान्यास



पतरातू (आजाद सिपाही)। बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी ने पर्यटन मंत्र से पतरातू झील के सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास पूजा अर्चना कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां म्यूजिकल फाउंटन का निर्माण किया जा रहा है। जो यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करेगा। आने वाले दिनों में पर्यटन के क्षेत्र में और भी विकास होगा। मौके पर सांसद प्रतिनिधि राजाराम प्रजापति, मुखिया राहुल रंजन, वीरेंद्र झा, पंकज सिंह बादल कुमार, चंद्र प्रकाश चौबे, चंदन सिन्हा, संजय उपाध्याय सहित कई लोग उपस्थित थे।

ज्योति कलश रथ यात्रा का हुआ स्वागत



गोला (आजाद सिपाही)। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार से पूरे भारत देश का भ्रमण करने निकली ज्योति कलश रथ यात्रा का शुक्रवार को गोला में जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान महिलाओं ने गायत्री मंत्र उच्चारण के साथ वेद माता गायत्री देवी की पूजा अर्चना की। रथ यात्रा में शामिल गायत्री मंदिर रामगढ़ के महेश मिश्र ने रथ यात्रा के उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि यह पूरे देश में हमारे सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के साथ जागरूकता लाने का है। पूरे भारत में 75 ज्योति कलश का भ्रमण हो रहा है। झारखंड प्रदेश को दो हिस्सों में बांटकर दो रथ भ्रमण कर रही है। दस दिनों तक रामगढ़ जिला के विभिन्न गांवों में यह रथ जायेगी। फिर यह रथ दूसरे जिला के लिए रवाना होगी। मेन रोड गोला और स्टेशन रोड जोड़ा शिवालय में रथ का स्वागत किया गया। उसके पश्चात रथ कुम्हारदगा गांव के लिए रवाना किया गया। यहां दीपोत्सव कार्यक्रम किया जायेगा। मौके पर गायत्री परिवार के लखन प्रजापति, अर्जुन साहू, अशोक कुमार, महेश मिश्र, राजकुमार स्वर्णकार, तुलसी महतो, दिगेंद्र महतो, तापेश्वर ठाकुर, मृत्युंजय पाठक, रजानंद पाठक, मनोज मिश्र, ब्रजकिशोर पांडेय, हरेंद्र पाण्डेय, सतीश पाठक, आलोक मिश्र, जितेन्द्र साहू, प्रशांत लाला, संजीव सिन्हा, संजीवन अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, सतपाल अग्रवाल, देवव्रत पोद्दार सहित कई थे।

कोटार में बूढ़ा करम महोत्सव का आयोजन



रामगढ़ (आजाद सिपाही)। नगर परिषद अंतर्गत कोटार में शुक्रवार को बूढ़ाकरम महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि आजसू के केंद्रीय सचिव सह नगर परिषद के निवर्तमान उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो, विशिष्ट अतिथि ज्यान्ति देवी, सम्मानित अतिथि दुखहरण महतो थे। अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर महोत्सव का उद्घाटन किया। मौके पर मनोज कुमार महतो कहा की नई पीढ़ी को अपनी सभ्यता और संस्कृति पर गर्व की अनुभूति होगी। मौके पर मुख्य अतिथि सहित बड़ी संख्या में उपस्थित लोग मांदर की थाप पर जमकर थिरके। मौके पर सरक्षक महेश कुमार निगम, सुरेन्द्र महतो, उज्जवल कुमार, नरेश महतो, किरण मुंडा, चुनौलील महतो, महेंद्र महतो, मंगोविन्द महतो, सुजीत राय, बाबुलाल महतो, कामेश्वर महतो, शिवू महतो, कोलेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

दोनों जिनालयों में धूमधाम से हुई उत्तम अकिंचन्य की पूजा ममत्व के परित्याग को अकिंचन्य कहते हैं...

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जैन धर्म के सबसे बड़े धार्मिक अनुष्ठान श्री दशलक्षण महापर्व के नौवें दिन उत्तम शुक्रवार को अकिंचन्य धर्म की पूजा और अन्य धार्मिक आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मौके पर उत्तम अकिंचन्य धर्म पर प्रकाश डालते हुए सांगानेर शिक्षण संस्थान से आए हुए विद्वान पंडित निवेश शास्त्री ने बताया कि ममत्व के परित्याग को अकिंचन्य कहते हैं। अकिंचन्य का मतलब होता है मेरा कुछ भी नहीं है, अपने उपकरणों और शरीर से भी निर्मत्व होना ही उत्तम अकिंचन्य धर्म है। क्योंकि कई बार सबका त्याग करने के बाद भी उस त्याग के प्रति महत्व हो सकता है। अकिंचन्य धर्म में उस त्याग के प्रति होने वाले ममत्व का त्याग भी कराया जाता है। शहर के मेन रोड स्थित श्री



दिगंबर जैन मंदिर में अकिंचन्य धर्म के अवसर पर स्वर्णमयी जलाभिषेक का सौभाग्य योगेश जैन, निशा सेठी, अशोक जैन, सुनील सेठी, जीवनमल जैन, जम्बू पाटनी परिवार, राजेंद्र जैन, राजेश चूड़ीवाल, शांतिलाल जैन, राकेश पांड्या परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं, शांति धारा का सौभाग्य अशोक जैन, सुनील जैन, संजय सेठी परिवार और इंद्रप्रभा देवी चूड़ीवाल परिवार को प्राप्त हुआ।



पारसनाथ जिनालय रांची रोड में जलाभिषेक और शांति धारा का सौभाग्य प्रवीण जैन, प्रशांत पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। जैन समाज के सचिव योगेश सेठी और मंदिर मंत्री देवेन्द्र गंगवाल ने बताया कि दसलक्षण महापर्व का आज नौवा दिन है, समाज के दो सदस्य 16 करण जी व्रत का अनुपालन और दो सदस्य दस दिवसीय दशलक्षण व्रत का अनुपालन पूरी भक्ति भाव से कर रहे हैं। उनकी इस व्रत

साधना की अनुमोदना करने के लिए पूरा समाज प्रयासरत है। इसके साथ ही योगेश सेठी ने बताया कि पारसनाथ जिनालय रांची रोड में भी पंडित पंकज शास्त्री के सानिध्य में धार्मिक आयोजन बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि शनिवार को अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा होगी। उपरोक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

अलग-अलग हादसों में तीन की मौत, दर्जनों घायल



आजाद सिपाही संवाददाता

मांडू। मांडूडीह करमाली टोला निवासी साजन करमाली ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से झारखंड का नाम रौशन किया है। बीते रविवार को रांची में आयोजित झार राफ्ट फैशन प्रदर्शन में राज्यभर से आए विभिन्न जिलों के डिजाइनरों ने भाग लिया। इस बीच साजन करमाली ने अपने अनोखे और पारंपरिक डिजाइनरों के दम पर सबका ध्यान खींच लिया। कार्यक्रम में साजन को बेस्ट डिजाइनर के खिताब से सम्मानित किया गया। उन्होंने

आदिवासी संस्कृति को परिधानों और रूपसज्जा के माध्यम से एक नये और आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। मंच पर नवयुवक-युवतियों द्वारा किये गये प्रदर्शन ने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। साजन करमाली की इस उपलब्धि से न सिर्फ उनके माता-पिता और गुरुजन गर्वित हुए, बल्कि पूरे मांडू गांव और झारखंड राज्य का नाम भी ऊँचा हुआ। स्थानीय लोगों ने उनकी इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है।

भविष्य गढ़ने में मील का पत्थर साबित होगा रीडर्स स्पेस लाइब्रेरी : एसडीपीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। बिजली और इंटरनेट के साथ-साथ अन्य मुलभुत सुविधाओं से महरूम होकर बेहतर और गुणवत्ता युक्त शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रहने वाले जिले के छात्र-छात्राओं के अलावे युवा पीढ़ियों की समस्याओं का समाधान अब हो चुका है। चतरा शहर के जतराहीबाग स्थित लकलकवा नाथ मंदिर गुलशन विजन के समीप रीडर्स स्पेस लाइब्रेरी का उद्घाटन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदीप सुमन ने फीता काटकर किया। इस दौरान लाइब्रेरी के संचालक गौतम सिंह के अलावा कई शिक्षक और



बुद्धिजीवी उपस्थित थे। एसडीपीओ ने लाइब्रेरी की निरीक्षण कर संचालक को बधाई दी। मौके पर उन्होंने कहा कि चतरा में मूलभूत सुविधाओं के अभाव में गुणवत्तायुक्त शिक्षा से महरूम रहने वाले प्रतिभावान जिले के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ यहां के युवा पीढ़ी के लिए यह लाइब्रेरी मील का पत्थर साबित होगा। एसडीपीओ ने कहा

कि चतरा में प्रतिभा की कमी नहीं है, यहां के बच्चों में इतनी क्षमता है कि वह सीमित संसाधनों में भी पढ़ाई कर जिला, राज्य के साथ-साथ देश-विदेश स्तर पर अपने प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। लेकिन कुछ बच्चे ऐसे भी हैं जो यहां सुविधाओं के अभाव में एकता में बैठकर पढ़ाई नहीं कर पाते थे। ऐसे में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रीडर्स स्पेस लाइब्रेरी का चतरा जैसे जिले में शिक्षा जगत के लिये किसी वरदान से कम नहीं है। संचालक गौतम सिंह ने बताया कि रीडर्स स्पेस लाइब्रेरी चतरा शहर का एकमात्र सुविधाओं से लैस

लाइब्रेरी है। उन्होंने बताया कि यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए एसी के साथ-साथ हार्ड स्पीड इंटरनेट, आरामदेह कुर्सि सहित निजी स्थान, डेस्क लाइट व चार्जिंग बोर्ड की व्यवस्था है। संचालक के अनुसार 15 सितंबर तक निशुल्क नामांकन की जायेगी। महज 249 रुपये देकर बच्चे पूरे महीने पढ़ाई कर सकेंगे। मौके पर धनंजय उर्फ बच्चू सिंह, अभिमन्यु सिंह, जितेंद्र सिंह, भाजपा नेता शिव बालक सिंह, सत्येंद्र सिंह, गुलशन, आर्यन प्रियांशु, विकास, अभय, राहुल व अनीश सिंह समेत दर्जनों छात्र-छात्राएं व बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

विहिप जिला बैठक में संगठन कार्यकर्ताओं पर हुए हमले और फर्जी केस की निंदा की गयी

जिला प्रशासन निष्पक्ष जांच कर कार्यकर्ताओं पर किये गये फर्जी केस को वापस ले: मनोज पोद्दार

जिले में 96 स्थानों पर शस्त्र पूजन और अक्टूबर माह में दुर्गा वाहिनी का जिला पथ संचलन होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला कार्यालय में शुक्रवार को पूर्व निमित्त, आगामी कार्यक्रमों तथा विहिप के पदाधिकारियों पर हुए हमले, फर्जी केस को लेकर जिला बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विहिप के प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार और प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह उपस्थित हुए।बैठक का



शुभारंभ ॐ के उच्चारण तथा श्री राम जय राम के जयघोष के साथ किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने कहा कि सभी बजरंगियों के उपर भगवान का कृपा सदैव है, सभी को मिलकर धरातल में कार्य करना है। तभी अखंड भारत बनते हम सभी अपने आंखों से देखेंगे जिस तरह राम मंदिर बनते देख रहे हैं। 14 सितंबर को विश्व हिन्दू परिषद का रामगढ़ जिला अभ्यास वर्ग लगाया जायेगा, रामगढ़ जिला में 96 स्थानों पर शस्त्र पूजन किया जायेगा और

पायेंगे, इसलिए सभी को कर्म करना है। समाज के दिग्भ्रमित लोग समाज के कार्य करने में बाधा उत्पन्न करेंगे लेकिन हमलोगों को विचलित नहीं होना, बिना डगे बीना डरें निरंतर समाज का कार्य करते रहना है। इस अवसर पर विहिप जिला उपाध्यक्ष रमा शर्मा, जिला मंत्री छोटू वर्मा, सह मंत्री भागीरथ पोद्दार, बजरंग दल जिला संयोजक महेंद्र ठाकुर, सह संयोजक नंदकिशोर राम, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका अनामिका श्रीवास्तव, सह संयोजिका प्रियंका कुमारी, गौरग प्रमुख अशोक विश्वकर्मा, विनय शर्मा, जिला सस्वंग प्रमुख संतोष सिंह, शिवा प्रजापति, आशिष शर्मा, प्रेम प्रजापति, सुभाष नायक, सतीश ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

राधा गोविंद विवि में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन



शिक्षा एक अनमोल रत्न, शिक्षक के बिना शिक्षा अधूरा : बी एन साह

शिक्षा संस्कार की जननी है : डॉ प्रदीप बालमुचू

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। शिक्षक दिवस पर शुक्रवार को शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन और विश्वविद्यालय के संस्थापक स्व गोविंद साह और राधा देवी के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। उसके बाद सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ प्रदीप कुमार बालमुचू, पूर्व सांसद, विशिष्ट अतिथि रामाकांत आनंद, प्रदेश सचिव कांग्रेस कमिटी, सी पी संतन समाजसेवी, सोनू कुमार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह, सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो डॉ रश्मि, कुलसचिव प्रो डॉ निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा निबन्धक प्रो डॉ अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, मीडिया प्रभारी डॉ संजय सिंह, डॉ अनिल कुमार, राधा गोविंद सैनियर सेकेंडरी प्राचार्य डॉ सुजीत कुमार मोहंती, इंटर कॉलेज प्राचार्या डॉ सोमा पांडेय मौजूद रहे। स्वागत भाषण कुलसचिव प्रो डॉ निर्मल कुमार मंडल ने दिया। उन्होंने सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन, स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। डॉ प्रदीप बालमुचू ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा संस्कार की जननी है। अंत में

शिक्षक दिवस हार्दिक बधाई दिये। समाजसेवी सी पी संतन ने शिक्षक दिवस पर सभी छात्रों को आशीर्वाद दिया। इसके बाद कुलाधिपति बी एन साह एवं सचिव प्रियंका कुमारी ने सभी अधिकारीगणों, शिक्षकगणों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारीगणों को अंगवस्त्र भेंट, पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कुलाधिपति बी एन साह ने अपने संबोधन में शिक्षक दिवस कि हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दिए और उन्होंने कहा कि शिक्षक के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। शिक्षक छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार देते है और शिक्षक के बदौलत ही अच्छा समाज का निर्माण होता है। रामाकांत आनंद ने कहा कि व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान है। सचिव प्रियंका कुमारी ने सभी शिक्षकों से आग्रह करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखें और छात्रों में घट रहे नैतिक ज्ञान को अवसरों को बढ़ावा दे। कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि छात्रों को अच्छे आचरण, नैतिक मूल्यों तथा सामाजिक, अनुशासित, सदाचारी व जिम्मेदार व्यक्ति बनाने का पवित्र स्थान भी है। संजय सिंह मीडिया प्रभारी ने का कहा कि शिक्षक सिर्फ पढ़ते ही नहीं, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका सीखते है। शिक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य करते है। कार्यक्रम का संचालन डॉ रंजना पांडेय और अमरेश पांडेय ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। मौके पर विभिन्न विभागों के व्याख्यातागण, कर्मचारीगण और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

योगेंद्र महतो हत्या मामले में आरोपी साला को पुलिस ने भेजा जेल

कुजु (आजाद सिपाही)। योगेंद्र महतो हत्याकांड मामले में तोयरा निवासी मुख्य आरोपी दीपक महतो को कुजु पुलिस ने शुक्रवार को रामगढ़ न्यायिक हिरासत भेज दिया है। वहीं, योगेंद्र महतो हत्याकांड मामले में कुजु ओपी पुलिस ने मृतक की दूसरी पत्नी मुनिता कुमारी द्वारा दिये गये आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की है। मुनिता ने तोयरा निवासी दीपक महतो समेत एक अन्य युवक पर साजिश रचकर पति की हत्या का आरोप लगाया है। दीपक महतो जो मृतक योगेंद्र महतो के पहली मृत पत्नी का भाई है। मालूम हो कि सुदी पाली भुरकुंडा निवासी 35 वर्षीय योगेंद्र महतो पिता भिखन महतो का शव गुरुवार की देर रात तपो सबस्टेशन के समीप दूधमटिया जंगल से खून से लथपथ शव बरामद किया गया था। जो नुकली पत्थर से कुचलकर हत्या की गयी थी। वहीं, मुख्य आरोपी दीपक महतो पिता नेहरु महतो स्वयं युवक की हत्या करने के बाद कुजु ओपी में सरेंडर किया था। साथ ही, योगेंद्र महतो की हत्या करने की बात कबूल की। इधर, कुजु पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। वहीं, मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।



कुजु में शांतिपूर्ण निकाला गया जश्न ईद जुलूस



कुजु (आजाद सिपाही)। कोयलचल कुजु और आसपास के क्षेत्रों में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर ईद-ए-मिलादुन्नीबी का पर्व शुक्रवार को पूरे अकींदत और सम्मान के साथ मनाया गया। इस मौके पर सुबह में क्षेत्र के मस्जिदों में नमाज-ए-फज्र अदा की गयी और कुरानखानी, फातिहा व दरुद-ओ-सलाम पेश किया गया। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ कुजु जामा मस्जिद, तोपा, आरा, सखबेड़ा, डुमरबेड़ा, सांडी, करमा, दिगवार में इस्त्राहूल मुस्लिमीन कमिटी के अलावे आदि स्थानों में विभिन्न कमिटीयों द्वारा जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान शांति और भाईचारे का संदेश देते हुए आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन और समाज के लोगों ने विशेष सहयोग दिया। इधर, दिगवार में ओपी प्रभारी आशुतोष सिंह और मजिस्ट्रेट अर्जुन महली की अगुवाई में भारी पुलिस बल के साथ शांतिपूर्ण माहौल में जुलूस निकाला गया।

AFFIDAVIT
As per Affidavit No.:3011 Dated: 30/04/2025 I, Anjali Chouhan D/O Ram Raj Chouhan aged about 25 years, Resident of village Colony No. 4, Kathara, P.O Kathara, P.S. Bokaro Thermal, Dist-Bokaro (Jharkhand) do hereby solemnly affirm on oath and declare as follows:-
1. That, my Nationality is Indian.
2. That, my correct and actual name is Anjali Chouhan which has been mentioned in my Aadhaar card vide No-6584 8552 3522 but in my bank account of Bank of India Branch Kathara vide account No. 479318210002043 my name has been mentioned as Anjali Kumari.
3. That, Anjali Chouhand and Anjali Kumari both names are one and same person i.e myself.
4. That, I want to correct or rectify my name in my above said bank account as Anjali Chouhan in place of Anjali Kumari.
5. That, I am swearing this affidavit to produce it before authority to produce it before authority concern for needful purpose.
6. That, the contents of this affidavit are true and correct to the best of my knowledge, information and belief and if found incorrect or false I shall be liable for the prosecution in the relevant section of law also.



बदरूप होता टकराव

पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को जो कुछ हुआ, वह सदन की गरिमा और मर्यादा को तार-तार करने वाला है। टीएमसी और बीजेपी के बीच की तलखी विशेष सत्र के आखिरी दिन सतह पर आ गयी। दोनों दलों में तगड़ी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और मतभेद हैं। सदन का इस्तेमाल इस पर सार्थक वाद-विवाद, चर्चा के लिए किया जा सकता था।

चर्चा के बजाय हंगामा : ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी का आरोप है कि भाजपा शासित राज्यों में रहने वाले पश्चिम बंगाल के लोगों को जानबूझ कर निशाना बनाया जा रहा है। सदन में इसी पर चर्चा होनी थी, लेकिन जब विपक्षी विधायकों ने वेल में पहुँच कर हंगामा किया तो स्पीकर ने बीजेपी के चीफ व्हिप शंकर घोष को सस्पेंड कर दिया। उनको बाहर निकालने के लिए मार्शल बुलाते पड़े।

बांग्ला भाषियों का मुद्दा : प्रवासी बांग्ला भाषियों का मुद्दा ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी के लिए बेहद संवेदनशील है। वह इसे बांग्ला अस्मिता व पहचान से जोड़कर आगे बढ़ रही हैं। कुछ अरसा पहले उन्होंने यहां तक कह दिया था कि दूसरे राज्यों में गये बंगाल के लोग लौट आये, सरकार उनका ख्याल रखेगी। तीन दिन पहले जब कोलकाता में लगे तृणमूल कांग्रेस के अस्थायी मंच को सेना ने हटा दिया था, तब भी काफी बवेला मचा था। तब सेना की तरफ से बताया गया था कि पार्टी ने परमिशन खत्म होने के बाद भी मंच नहीं हटाया था, इसलिए उसे कार्रवाई करनी पड़ी।

गवर्नर से विरोध : पश्चिम बंगाल एक लंबे अरसे से केंद्र और राज्य के बीच टकराव का मैदान बना हुआ है। पश्चिम बंगाल एक लंबे अरसे से केंद्र और राज्य के बीच टकराव का मैदान बना हुआ है। पश्चिम बंगाल के अनधिकृत दखल से लेकर एसआइआर तक - विवाद के कई बिंदु हैं। पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी और जगदीप धनखड़ एवं मौजूदा गवर्नर सीवी आनंद बोस के साथ राज्य के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे। केशरीनाथ ने जाते-जाते ममता पर तुष्टिकरण का आरोप लगा दिया था, तो धनखड़ ने कहा था कि बंगाल में लोकतांत्रिक हालात सही नहीं हैं। वहीं, ममता का आरोप है कि राजभवन के जरिये केंद्र उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है।

राज्यपाल के अनधिकृत दखल से लेकर एसआइआर तक - विवाद के कई बिंदु हैं। पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी और जगदीप धनखड़ एवं मौजूदा गवर्नर सीवी आनंद बोस के साथ राज्य के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे। केशरीनाथ ने जाते-जाते ममता पर तुष्टिकरण का आरोप लगा दिया था, तो धनखड़ ने कहा था कि बंगाल में लोकतांत्रिक हालात सही नहीं हैं। वहीं, ममता का आरोप है कि राजभवन के जरिये केंद्र उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है।
सीमाओं का ध्यान : विपक्ष शासित किसी और सूबे की तुलना में बंगाल में केंद्र-राज्य संघर्ष ज्यादा आक्रामक है। इसकी वजह है वहां की सियासत। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी पहली बार मुख्य विपक्षी पार्टी बनी थी। तब से वह अपना स्पेस लगातार बढ़ाने की कोशिश में है, जबकि टीएमसी के सामने चुनौती है अपनी जगह बचाये रखने की। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। चुनावी तारीख नजदीक आने के साथ टकराव और गहरा होगा। लेकिन, इसमें दोनों पक्षों को राजनीतिक मर्यादा और सीमाओं का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

राज्यपाल के अनधिकृत दखल से लेकर एसआइआर तक - विवाद के कई बिंदु हैं। पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी और जगदीप धनखड़ एवं मौजूदा गवर्नर सीवी आनंद बोस के साथ राज्य के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे।

ईद मिलादुन्नबी के मौके पर ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन



जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर आजाद मैरेज हॉल में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 151 यूनिट ब्लड संग्रहित किया गया। इस मौके पर राज्य के पूर्व शिक्षा सचिव नंदकिशोर लाल मुख्य अतिथि थे। श्री लाल ने रक्तदान शिविर में शामिल होकर रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट झारखंड की ऐसी सामाजिक संस्था है जो बिना किसी भेदभाव के समाज के हर तबके के लिए काम करती रही है और समाज के ऐसे लोग, जिन्हें ब्लड की जरूरत हो, यह संस्था फौरन वहां ब्लड पहुंचती है। आज के रक्तदान शिविर में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आज के इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के तौर पर ऐसी इंटरनेशनल स्कूल के अध्यक्ष आसिफ महमूद, करीम सिटी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ रियाज, राबिथा टैक्निकल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर राहवेद अख्तर खान, अल कबीर पॉलिटेक्निक कॉलेज के मकसूद आलम, और उदितवाणी के एडिटर उदित अग्रवाल, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डॉ जहांजेब, डॉ फैजान, डॉ अभीबा, डॉ सरफराज, और एमजीएम कॉलेज के यूजी के प्रथम एवं सेंकेड ईयर के छात्र, दो फ़क़उद्दीन अहमद आदि मौजूद थे। सभी विशिष्ट अतिथियों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया और साथ ही सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगाने का आरोप, मामला दर्ज

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर के सीतारामडंडा थाना क्षेत्र से 13 साल की नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाये जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, घटना 3 सितंबर की सुबह 11 बजे की है। परिजन ने पहले अपनी स्तर से बच्ची की काफी खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर 5 सितंबर को मामला थाने तक पहुंचा मामले में पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले भुइयांडीह ह्यूम पाइप निवासी पिंटू अधिकारी (35) को आरोपी बनाया है। बताया जाता है कि दोनों परिवारों के बीच पहले से जान-पहचान थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने नाबालिग को अपने साथ भगा ले गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब मामला थाने में दर्ज हुआ, उस वक्त आरोपी का मोबाइल फोन चालू था. लेकिन इसके बाद उसने फोन सिच ऑफ कर दिया। इससे पुलिस की परेशानी बढ़ गयी है। फिलहाल आरोपी की लोकेशन ट्रैक करने के प्रयास जारी हैं। सीतारामडंडा थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच टीम गठित कर दी गयी है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर नाबालिग को बरामद कर लिया जायेगा। बरामदगी के बाद पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जायेगा और न्यायालय में उसका बयान दर्ज कराया जायेगा। पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी ज्यादा दिनों तक फरार नहीं रह पायेगा और शीघ्र ही पुलिस की गिरफ्त में होगा। वहीं, परिजन बच्ची की सकुशल वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं।



अभिमत

आजाद सिपाही

100 साल का हो गया ‘रिनपास’



रोगियों के इलाज हेतु अस्पताल बनाने के लिए जमीन का चयन सुरक्षा और तापमान को ध्यान में रख कर किया गया। बीसवीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में ककिक क्षेत्र में बीहड़ जंगल हुआ करता था। इस क्षेत्र में तापमान मानसिक रोगों के शीघ्र स्वास्थ्य होने के लिए अनुकूल था। यहां अंग्रेजों ने मनोरोगियों के लिए सीआइपी (1918) और रिनपास (1925) में स्थापित किया।

वैसे ल्यूनेटिक असाइलम की शुरुआत 1795 में बिहार के मुंगेर में से हुई। 1821 में इसे पटना कॉलेजिएट स्कूल में स्थानांतरित किया गया। जिसके पहले चिकित्सा अधीक्षक कैप्टन जे ई धान्जी भाई ने 1 अप्रैल 1925 को पद्भार संभाला। अस्पताल के साथ-साथ चिकित्सा अधीक्षक के निवास के लिए 1.2 किमी दूरी पर एक लाल कोठी का निर्माण किया गया। धान्जी भाई अस्पताल छोड़े से आया-जाया करते थे। 550 एकड़ जमीन पर बनी मानसिक रोगियों के अस्पताल की बुनियाद 1908 में पड़ी और यह 4 सितंबर, 1925 को बन कर तैयार हुई। इसका नाम बदल कर भारतीय मानसिक चिकित्सालय कर दिया गया। 4 सितंबर 1925 को पुरुष वार्ड में 110 मरीज थे, तो वही 19 सितंबर 1925 को महिला वार्ड की शुरुआत हुई, जिसमें 53 मरीज थे। 31 दिसंबर को कुल मरीज 1226 हो गये, जिसमें एक 1074 पुरुष एवं 152 महिला

रिनपास के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है।



मरीज थे। अचानक मरीजों की संख्या में वृद्धि का कारण ढाका (बांग्लादेश) और बेहरामपुर (ओड़िशा) के मरीजों के आने से हुआ। उन दिनों स्वीकृत मरीजों की संख्या 1560 थी। उस समय तक पूर्वी भारत का सबसे बड़ा मानसिक स्वास्थ्य संस्थान था। इस कारण पूर्वोत्तर राज्यों से काफी संख्या में मरीज इलाज हेतु आते थे।

पुरुष वार्ड में वार्डों की कुल संख्या आठ है। प्रत्येक दो तल्ला वार्ड में एक बड़ा हॉल और नीचे तथा पहले तल्ले पर चार बड़े कमरे हैं। अस्पताल के सभी वार्डों की बनावट एक समान है, जो सुखी-चूना-ईट एवं लोहे से निर्मित है। अस्पताल के परिसर में सैकड़ों पेड़ हैं, जिनमें सखुआ, कटहल, आम, लीची के पेड़ अधिक हैं, साथ ही यहां समय-समय पर सामाजिक वानिकी के तहत नये पौधे भी लगाये जाते हैं, ताकि वातावरण में संतुलन बना रहे।

अस्पताल परिसर में कई बड़े तालाब है। पहले यहां के मरीज खुद खेती किया करते थे। अनाज रखने के लिए दो फाटक वाला अनाज भंडार

बना हुआ है। यहां गन्ना के साथ-साथ सब्जी की खेती तथा डेवरी फार्म भी है। पहले गन्ने के रस से गुड़ भी बनाया जाता था। मरीज ही गाड़ीवान, कोचवान तथा मशालची होता था। शुरुआती वर्षों में मानसिक रोगों का इलाज बिजली के झटके तथा जल चिकित्सा द्वारा किया जाता था।

1958 में इस संस्थान का नाम बदल कर रांची मानसिक आरोग्यशाला कर दिया गया। बेड की क्षमता बढ़ाकर 1,620 कर दी गयी। 550 एकड़ वाले अस्पताल का परिसर अब घट कर 354 एकड़ रह गया है। इसकी अधिकतर जमीन बिरसा कृषि विश्वविद्यालय को स्थानांतरित की गयी है। पहले ओपीडी में सालाना करीब 7000 मरीजों का इलाज किया जाता है। वर्तमान में ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ कर 80,000 हो गया है। वहीं गंभीर रूप से मानसिक रोगियों को वार्ड में रखा जाता है। अब तक लाखों मरीजों को इस अस्पताल ने जीवन का एक नया सफर दिया है।

इस संस्थान से डॉ एलपी वर्मा ने

1942 में मनोचिकित्सा में भारत की पहली एमडी की उपाधि प्राप्त की थी। 1994 में, सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्देश ने इसे स्वायत्त दर्जा प्रदान किया। 10 जनवरी, 1998 को इसका नाम बदल कर रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो-साइकियाट्री एंड एलाइड साइंसेज (रिनपास) कर दिया गया।

रोगियों को सिलाई, बढ़ईगिरी, टोकरी बुनाई और स्टेशनरी बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। फाइनें, चांदरें और हस्तशिल्प जैसे उत्पाद झारखंड उच्च न्यायालय सहित सरकारी विभागों द्वारा खरीदे जाते हैं। वर्तमान में, जबकि ओपीडी सेवाओं का विस्तार जारी है। यहां कर्मचारियों की भारी कमी है। 670 से अधिक स्वीकृत पदों में से, केवल 130 ही नियमित रूप से कार्यरत हैं, बाकी आउटसोर्सिंग के माध्यम से प्रबंधित किये जाते हैं। मानसिक रोगियों के लिए एलाइबरी, खेलकूद एवं मनोरंजन की सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। मरीजों के लिए निशुल्क शिक्षा एवं

मुफ्त दवाइयों दी जाती है।

आज रिनपास में इलाज के अलावा उच्च शिक्षा के तहत रिसर्च तथा पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री के कई कोर्स की पढ़ाई होती है। रांची विश्वविद्यालय, रांची से संबद्ध और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) और भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआइ) द्वारा मान्यता प्राप्त, यह संस्थान मनोचिकित्सा में एमडी, मनोचिकित्सा में डीएनबी, नैदानिक मनोविज्ञान और मनोरोग सामाजिक कार्य में एमफिल और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। अब तक 100 से अधिक छात्र पीएचडी कर चुके हैं। इसके अलावा सैटेलाइट चिकित्सा के तहत जोन्हा, खुंटी, सरायकेला, खरसावां, हजारीबाग में चलाया जाता है। हजारीबाग तथा बिरसा कारागार के कैदियों का इलाज तथा एनजीओ निर्मल हृदय तथा चेशायर होम में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाता है। डिस्ट्रिक्ट मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के तहत दुमका, गुमला, जमशेदपुर, मेदनीनगर (डाल्टनगंज) में नोडल केंद्र है। इनमें नवभारत जागृति केंद्र तथा संजीवनी ग्राम ट्रस्ट भी सहयोगी हैं।

रिनपास के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। मानसिक रूप से विकलांग लोगों के लिए एक आश्रय गृह के रूप में अपनी मामूली शुरुआत से, रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो-साइकियाट्रिक एंड एलाइड साइंसेज (रिनपास) मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए भारत के अग्रणी संस्थानों में से एक बन गया है।

आज, यह संस्थान पूर्वी भारत के रोगियों और उनके परिवारों के लिए आशा की किरण के रूप में चमक रहा है, न केवल उपचार, बल्कि पुनर्वास, शिक्षा भी प्रदान करता है। वर्तमान में रिनपास के निदेशक डॉ अमूल रंजन सिंह हैं।

प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री ने दी बधाई

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पहल पर जीएसटी सुधार में ऐतिहासिक निर्णय के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री अमित अग्रवाल ने बधाई दी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिला में जीएसटी सुधार की दिशा में संकेत दिये थे। उसके बाद नयी दिल्ली में हुई बैठक में 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत जीएसटी स्लैब को समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। यह कदम न केवल आम उपभोक्ताओं का बोझ कम करेगा बल्कि किसानों और छोटे उद्यमियों को भी बड़ी राहत देगा। अमित अग्रवाल ने कहा हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस दूरदर्शी निर्णय के लिए हार्दिक धन्यवाद और आभार प्रकट करते हैं। यह निर्णय आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

चाकुलिया के पुराना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी के पंडाल निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

चाकुलिया (आजाद सिपाही)।

चाकुलिया के पुराना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमिटी के पूजा पंडाल का निर्माण कार्य का शुक्रवार को विधायक समीर मोहंती ने भूमि सह खूटा पूजन के साथ शुरू हुआ। हर वर्ष पुराना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमिटी द्वारा चाकुलिया पुराना बाजार में भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी तपन डेकोरेटर्स पश्चिम बंगाल के कारीगर द्वारा लगभग 50 फीट ऊंचा आकर्षक पंडाल बनाया जायेगा। साथ ही भव्य आलोक सज्जा से चाकुलिया पुराना बाजार को सुसज्जित किया जायेगा। इस अवसर पर कमिटी के सचिव अरिंदम दे, उपाध्यक्ष गौतम दास, पतित दास, बापी नंदी, बापी मल्लिक, संजय दास, अपु दे, तपु दे, तपन कर, राजू मल्लिक, झपू मल्लिक, तारक मल्लिक, श्रीधर मल्लिक, देवाशीष दास, गणेश दत्त समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

नौकरी दिलाने के नाम पर 20 लाख की ठगी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। टेल्को कंपनी में स्थायी नौकरी दिलाने के नाम पर 20 लाख रुपये की ठगी का एक मामला प्रकाश में आया है। नामदा बस्ती के निवासी गोपाल कृष्ण सिंह ने गोलमुरी थाने में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। भुक्तभोगी के अनुसार बीते 1 जनवरी 2023 से 1 जनवरी 2025 के बीच किस्तों में उनसे कुल 20 लाख रुपये टेल्को गुलमोहर स्कूल के पीछे क्रॉस रोड नंबर 4 के निवासी जगदंबा सिंह और उनकी पत्नी वंदना देवी की दिये थे। उन्होंने टेल्को कंपनी में स्थायी नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया था। तय समय बीतने के बाद भी न नौकरी मिली और न ही रुपये लौटाए गये। गोपाल कृष्ण सिंह ने बताया नौकरी दिलाने के नाम पर दो साल तक किस्तों में बड़ी रकम जमा कराने के बावजूद उन्हें धोखा दिया गया। रुपये की वापसी की मांग करने पर भी आरोपी दंपति ने पैसा नहीं लौटाया फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।



कोल्हान की खबरें

विधायक सरयू राय ने 500 से ज्यादा शिक्षक-शिक्षिकाओं का किया सम्मान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मकसद भारत को महान बनाना और परंपराओं को समृद्ध करना - सरयू राय

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य भारत को महान बनाना और परंपराओं को समृद्ध करना है। श्री राय ने कहा इस नीति की व्यावहारिक कठिनाइयों को समझना जरूरी है, तभी उनके समाधान खोजे जा सकते। शुक्रवार को वे मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल सभागार में स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का व्यावहारिक आयाम सह शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरयू राय ने डॉ. सर्वपल्लू राधाकृष्णन, मां सरस्वती और डॉ.



एपीजे अब्दुल कलाम की तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए कहा भारत का भविष्य कैसा हो, वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में हमारा मानव बल कितना सक्षम बने यही इस नीति का विशिष्ट संदेश है। मौके पर अंजनी कुमार ने कहा शिक्षा नीति में मातृभाषा और स्किल पर विशेष ध्यान दिया गया। हमें विद्वान नहीं, बल्कि दक्ष और व्यवहारिक ज्ञान वाले विद्यार्थी तैयार करने हैं। डॉ. अमर सिंह ने कहा शिक्षक आज भी सम्मान के असली अधिकारी हैं। उन्होंने कहा नीति में योग और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट जैसी पहलें इसलिए शामिल हैं ताकि

विद्यार्थी पढ़ाई को बीच में छोड़ने के बाद भी अपने क्रेडिट के आधार पर आगे पढ़ सकें। शिक्षिका शिप्रा ने बताया इसरो भ्रमण के बाद बच्चों का नजरिया बदल गया है। अब वे प्रैक्टिकल एप्रोच के साथ पढ़ाई कर रहे हैं। यही इस नीति की बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में सोनाली सरकार ने गणेश वंदना पर एकल नृत्य प्रस्तुत की। वहीं वर्कर्स कॉलेज की छात्राओं ने आदिवासी नृत्य से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन मंजू सिंह और प्रिया ने की। विशेष अतिथि में डॉ. डीपी शुक्ला, डॉ. अमर सिंह, डॉ. एसएस रजी, राजदीप सिन्हा, डॉ.

मुदिता चंद्र, डॉ. रागिनी भूषण, बीएन प्रसाद, एसपी मलिक और डॉ. त्रिपुरा झा मंचासिा रहे। मौके पर जयंती शेषाद्री, ज्योत्स्ना अस्थाना, डॉ. अनिता शर्मा, मनोज कुमार, रजनी शेखर, इप्सिता डे, शिप्रा, अशोक कुमार सिंह, विपिन शर्मा, डॉ. डीपी शुक्ला, डॉ. बीएन प्रसाद, डॉ. मुदिता चंद्र, डॉ. मुकुल खंडेलवाल, डॉ. एसएस रजी, राजदेव सिन्हा, डॉ. लाल बाबू सिंह, उमादत्त सिंह, सरिता कुमारी, पीडी लाल, लुसी रफायल ठाकुर, एसएसपी सिंह और रामलोचन झा समेत शहर के 500 से ज्यादा शिक्षकों को विधायक सरयू राय ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

हथियार के साथ दो युवक गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक साजिश को विफल करते हुए दो युवक को अवैध हथियार और ज़िंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त में बागबेड़ा हरहरगुट्ट निवासी अभिषेक सिंह और जुगसलाई शिवघाट रोड निवासी गणेश रजक उर्फ चुंजा शामिल हैं। शुक्रवार को पूछताछ के बाद दोनों अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में



भेज दिया गया। जानकारी देते हुए विधि-व्यवस्था डीएसपी ने बताया वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी खरकई नदी रेलवे ब्रिज के पास दो युवक

किसी बड़ी वारदात की फिराक में हथियार के साथ मौजूद हैं। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी बैजनाथ कुमार के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर दोनों युवकों को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उनके पास से दो स्वचालित पिस्टल (7.65 मिमी), तीन ज़िंदा कारतूस और एक मोबाइल बरामद किया गया। डीएसपी ने बताया अभियुक्त अभिषेक सिंह का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास

रहा है। उस पर पहले से ही विभिन्न धाराओं व आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। फिलहाल गिरफ्तार दोनो अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की गहन जांच की जा रही है। छापामारी दल में थाना प्रभारी बैजनाथ कुमार के अलावा मुकेश कुमार साव, कृष्णा कुमार यादव, गोपाल कुमार, हवलदार बासुदेव महतो और आरक्षक गोधन राम शामिल रहे।



गुमला में झानद महिला मंडल सहयोग संचालन समिति की बैठक कल

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड नवनिर्माण दल से जुड़ी महिला मंडल सहयोग संचालन समिति गुमला जिला इकाई की बैठक 7 सितंबर 2025 को गुमला स्थित कचहरी परिसर में आयोजित की जायेगी। बैठक में महिला सुरक्षा, समाज को खोखला करने वाली नशाखोरी को रोकने, सिर्फ ट्रेनिंग नहीं महिलाओं को रोजगार देने की गारंटी करने, महिला मंडल को दिया गया सभी तरह का लोन माफ करने, महिला सशक्तिकरण के नाम पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा मची लूट पर रोक लगाने, ब्याज रहित 5 साल तक भरने की समय अवधि देते हुए इच्छुक महिलाओं को कम से कम 10 लाख रुपए तक व्यवसाय के लिए पूंजी देने, अनुदान देने, गुमला सहित झारखंड में माइक्रोफाइनेंस कंपनी द्वारा चल रही शुद्धखोरी और महाजनी व्यवस्था को झारखंड में अविलंब बंद करने तथा आगनबाड़ी सेविका सहायिका, सहिया, रसोइया संयोजिका की मांगों पर विचार कर न्याय देने, गुमला सहित राज्य में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, बलात्कार तथा आत्महत्या की घटनाओं को रोकने तथा सन्दिग्ध आत्महत्या की न्यायिक जांच करने जैसे महिलाहित की सवालों को लेकर भावी रणनीति जिला स्तरीय बैठक में बनाई जायेगी। बैठक दिन के 11 बजे रखी गयी है जिसमें महिला अगुवा को आमंत्रित किया गया है।

शिष्य की जगह गुरु के चरणों में है : अनिरुद्ध चौबे

गुमला (आजाद सिपाही)। गुरु शिष्य की परंपरा युगों-युगों तक कायम रही। शिष्य का सबसे ऊंचित स्थान गुरु के चरणों में है। उक्त बातें दिशा सदस्य अनिरुद्ध चौबे ने अपने वायोवुद्ध शिक्षक रामचरित्र साहू से मुलाकात करने के अवसर पर कही। अनिरुद्ध चौबे ने अपने 85 वर्ष के गुरु को अंगवस्त्र देकर उनका आशीर्वाद लेने के क्रम में कही। उन्होंने कहा कि 5 सितंबर डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन, आचार्य द्रोण, आचार्य चाणक्य जैसे महान गुरुओं के लिए समर्पित है। ज्ञात हो कि रामचरित्र साहू को सेवानिवृत्त हुए 25 वर्ष हो गये। अब घर में ही रहते है कभी अंग्रेजी और हिंदी शिक्षक रहे श्री साहू पुराने दिनों की याद में खो जाते है। अधिकतम सहकर्मी गण अब इस दुनिया में नहीं है। पढ़ने और लिखने के शौकीन सर अब कलम नहीं चला पाते न ही अच्छे से पढ़ा पाते है। इधर कवि लार्ड बुद्धा इंटर कालेज के शिक्षक रहे अनिरुद्ध चौबे को भी शिष्यों द्वारा सम्मानित की किया गया। शिक्षा में अमूल्य योगदान के लिए कालेज के विद्यार्थीयों ने अंगवस्त्र और डायरी दिया। इस अवसर पर, पूनम चौबे, शुभाष महतो, प्रीति प्रियंका, खुसी, पवन सिंह स्मृति अनन्ता, अश्वनी आदि उपस्थित थे।

अंबाटोली में युवक ने लगायी फांसी

जारी (आजाद सिपाही)। जारी थाना क्षेत्र अन्तर्गत सिकरी पंचायत के सिकरी अंबाटोली निवासी 24 वर्षीय सेलेस्टीन खाखा ने आम टाड़ बगीचा में कटहल पेड़ में प्लास्टिक रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पत्नी सुदिशा खाखा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पति गुरुवार शाम लगभग 7 बजे घर से निकला मैं खाना बना रही थी। खाना पकने के बाद भी नहीं आने पर मैं खोजने के लिए निकली लेकिन कहीं पता नहीं चला मैं गांव वालो से भी पूछछाफ की लेकिन पता नहीं चला तो घर आकर सो गयी। शुक्रवार सुबह लगभग 7बजे कुछ ग्रामीण शौच के लिए गये हुए थे तो देख कि कटहल के पेड़ मे प्लास्टिक रस्सी के सहारे फांसी लगाया हुआ है तब ग्रामीण हमे जानकारी दिये तो मैं दौड़ते हुए गयी तो देखी कि पति फांसी लगाया हुआ है। उन्होंने बताया कि पति की मानसिक स्थिति कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। घटना की जानकारी होते ही जारी थानेदार आदित्य कुमार अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया।

ईद मिलादुन्नबी पर निकाला जुलूस



जारी (आजाद सिपाही)। जारी प्रखंड क्षेत्र के गोबिंदपुर, कमलपुर, तिगरा, जरडा, परसा और सीकरी गांवों में शुक्रवार को ईद मिलादुन्नबी का जुलूस बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाला गया। जुलूस की शुरुआत गोविंदपुर जामा मस्जिद से सलातो सलाम के साथ हुई। इस दौरान मुस्लिम धर्मावलंबियों ने हाथों में इस्लामिक झंडा लिए और नारे लगाये नारे तकबीर अल्लाहु अकबर,सरकार की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा और यासीन की आमद मरहबा। छोटी बच्चियों ने बुर्का पहनकर नात पेश की। वहीं इमाम निजामुद्दीन कादरी और नौशाद आलम फेजी ने दुरुद पाक पेश किया। शुभा की हटि से जारी थाना प्रभारी आदित्य कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। मजिस्ट्रेट इयूटी पर विकास कुमार की तैनाती की गयी थी। जुलूस गोविंदपुर कब्रिस्तान तक संपन्न हुआ। इस अवसर पर सदर अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर जियारुल अंसारी, सचिव जाकिर खान, फरियाद खान, केश राज, अब्बार खान, महताब खान, तनु खान, फराज खान, फैजान खान, तौसीफ कुरेशी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्राचीन बूढ़ा महादेव मंदिर मार्ग और प्रांगण में युवाओं ने किया पौधरोपण



सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पोटरो गांव स्थित प्राचीन बूढ़ा महादेव मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग और मंदिर परिसर में शुक्रवार को गांव के युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर पीपल, बरगद, नीम, बेल, अशोक, मैगनोलिया फूल, कदम, आम, कटहल, सहित 21 प्रजाति के पौधों का रोपण किया। युवाओं ने कहा कि बाइपास फोरलेन सड़क का निर्माण होने के बाद से मंदिर जाने जाने वाला रास्ता बंद हो गया था। जिसके कारण भक्तों को मंदिर आने-जाने में दिक्कत हो रही थी। वही भक्तों, ग्रामीणों, और जनप्रतिनिधियों ने सड़क की समस्या से उपायुक्त गुमला को अवगत कराया था। उसके बाद उपायुक्त के निर्देश पर सड़क का निर्माण किया गया। फोरलेन सड़क का निर्माण के समय आसपास के सभी पेड़ को काटकर हटा दिया गया था जिसके बाद छायादार पेड़ न होने के कारण भक्तों एवं राहगीरों को बैठने उठने के लिए दिक्कत हो रही थी। इसी के मद्देनजर श्रद्धालुओं एवं राहगीरों की सुविधा के लिए मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग और मंदिर परिसर में वृक्षारोपण किया गया है। इससे श्रद्धालुओं को छाया, फूल, फल तो मिलेगा ही साथ ही पर्यावरण संरक्षण भी होगा। ग्रामीण युवाओं ने कहा कि जन्म ही मंदिर संचालन समिति का विस्तार किया जायेगा। ताकि मंदिर परिसर को और आकर्षक बनाया जा सके। बूढ़ा महादेव मंदिर में विवाह, मुण्डन संस्कार कार्यक्रम सहित वाहन पूजा भी किया जाता है। वृक्षा रोपण करने वाले में संदीप साहु, ओमप्रकाश साहु, शिवपूजन साहु, सोनू साहु, अमरदीप साहु, संदीप कुमार साहु, विकास साहु, सत्यम साहु, लक्ष्मी साहु, आशीष कुमार साहु, फूलचंद साहु, राजपति साहु एवं तमन्य साहु, शामिल थे।



गुमला में ईद मिलादुन्नबी अकीदत और हर्षोल्लास से मनाया

जुलूस-ए-मोहम्मदी में उमड़ा जनसैलाब

मुहम्मद के मोहब्बत व शान में नात और तराने गुंजते रही

बच्चे रब्वानी कमिटी का जुलूस रहा आकर्षण का केंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला जिला शुक्रवार को पूरी तरह ईद मिलादुन्नबी की रौनक से सरबोरे रहा। अल्लाह के अव्वल और आखिरी पैगम्बर, रहमतुल्लिल आलमीन हजरत मोहम्मद मुस्तफा (स०) के यौमे विलादत पर शहर से लेकर गांव-कस्बों तक अकीदतमंदों ने खुशी और मोहब्बत के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला। जगह-जगह मोहल्लों और टोलों से सजे-धजे कारवां निकले। जिसमें हर उम्र के लोग शामिल हुए।

जुलूस में शामिल होने वाले लोगों का उत्साह देखते ही बन

कुआं में डूबने से अधेड़ की मौत

जारी (आजाद सिपाही)। जारी थाना क्षेत्र के हुटार गांव में नहाने के क्रम में पैर फिसलने से कुआं में डूबने से 56 वर्षीय जीवन रैतिया की मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक व्यक्ति अपने घर के समीप बारी स्थित कुआं में नहाने के लिए गया था। कपड़ा साफ करने के बाद वह बाल्टी से पानी खींच रहा था। तभी पैर फिसलने से वह कुआं में गिर गया इसके बाद वह कुआं से ऊपर आया ही नहीं। वहीं आसपास के लोग दौड़कर कुआँ के पास पहुंचे और घर वालों को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद ग्रामीण झागड़ को कुआं में डालें। शरीर में कपड़ा नहीं होने के कारण काफी मशक्कत के बाद शव को झागड़ की सहायता से बाहर निकाला गया। मृतक की दो बेटी है दोनों की शादी हो चुकी है। घटना की सूचना पर जारी थाना के एसआइ किशोरा राम और थॉमस केरकेट्टा गांव पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।



पैगम्बर ने दिया अमन और दया का पैगाम इस मौके पर नप के पूर्व उपाध्यक्ष सह जेएमएम के केंद्रीय नेता कलीम अख्तर ने कहा कि 'हमारे नबी ने फरमाया कि जो अल्लाह पर इमान रखता है। उसे दूसरों पर दया करनी चाहिए। दया और रहमत ही इंसानियत की असल पहचान है। कांग्रेस के प्रवक्ता आरिफ हुसैन अख्तर ने भी मौके पर कहा कि पैगम्बर मुहम्मद (स०) ने सामाजिक बुराइयों को मिटाकर एक आदर्श समाज की नींव रखी। उन्होंने अमन और भाईचारे का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि नबी का यही पैगाम है कि पूरी दुनिया मोहब्बत और इंसाफ की राह पर चले।

रहा था। हर तरफ 'नारे तकबीर अल्लाहु अकबर' और 'प्यारे रसूल झ सलाम अलैका' की गुंज सुनाई देती रही। बच्चे इस्लामी झंडे और बैनर लिए कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। युवाओं के काफि ले नात व सलाम पढ़ते हुए मोहम्मद (स०) की शान में नात गा रहे थे। महिलाएं और बुजुर्ग भी घरों की

छेड़छाड़ से परेशान नाबालिग चलती टेंपो से कूदी, तीन गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले के रायडीह थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम एक नाबालिग छात्रा के साथ हुए आपराधिक कृत्य ने पूरे इलाके को दहला दिया। घटना में 15 वर्षीय किशोरी ने छेड़छाड़ से परेशान होकर अपनी जान बचाने के लिए चलती टेंपो से कूदकर जान जोखिम में डाल दी। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपी कानून के शिकंजे में आ गये हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता छात्रा रायडीह थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने नानी के घर कर्मा पर्व मनाये गयी थी। गुरुवार की शाम करीब पांच बजे वह पैदल ही अपने घर लौट रही थी। इसी बीच उसी गांव का एक टेंपो चालक पहुंचा छात्रा और छात्रा को आवाज देकर कहा कि वह भी गांव जा रहा है इसलिए सवारी कर ले। गांव का और जान-पहचान का



होने के कारण छात्रा ने संकोच नहीं किया और टेंपो पर सवार हो गयी। कुछ ही दूरी पर चालक ने बहाना बनाकर गाड़ी रोकी और अपने दो टेंपो रोकने की गृहार लगाती रही, जैसे ही टेंपो आगे बढ़ा, चालक और उसके साथी छात्रा से छेड़छाड़ करने लगे। उन्होंने गंदी-गंदी बातें करनी शुरू कर दीं। छात्रा बार-बार टेंपो रोकने की गृहार लगाती रही, लेकिन आरोपी अपनी हरकत से बाज नहीं आये। स्थिति बिगड़ती देख किशोरी को किसी अनहोनी का आभास हुआ और उसने साहसिक निर्णय लेते हुए रायडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास चलती टेंपो से छलांग लगा दी। चलती गाड़ी से कूदने पर छात्रा

नबी करीम ने सच्चाई और इमानदारी का पैगाम दिया

अंजुमन इस्लामिया के सदर मो. मोसाहिद आजमी,सचिव मकसूद आलम, मो लडुन, मो अफसर आलम,सुल्तान अंसारी, सरवर आलम, मो मेराज आदि ने कहा कि ह्हमारे प्यारे नबी ने पूरी इंसानियत को सच्चाई और ईमानदारी का पाठ पढ़ाया। उन्होंने हमें सिखाया कि अल्लाह ने हमें बंदगी के लिए पैदा किया है और इंसाफ, मोहब्बत और रहमत के साथ जिंदगी गुजारनी चाहिए। आज हम सबको चाहिए कि हम शीरते मुस्तफा को अपनी जिंदगी में उतारें और कुरान के बताए रास्ते पर चलें।

सख्त सुरक्षा और बेहतर इंतजाम

जुलूस के शान्तिपूर्ण संचालन के लिए जिला प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किये गये थे। थाना प्रभारी महेंद्र करमाली की अगुवाई में पुलिस बल ने चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर रखी। मुख्य मार्गों, मस्जिदों और मुस्लिम मोहल्लों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुचारू रखा गया ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

छतों और खिड़कियों से फूल बरसाकर खुशी जाहिर कर रहे थे। कई जगहों पर इत्र और गुलाब जल छिड़क कर जुलूस का इस्तकबाल किया गया।

जुलूस का सबसे बड़ा आकर्षण बच्चे रब्वानी कमिटी व दावते-इस्लामी के सदस्यों की ओर से प्रस्तुत किये गये नात और शान-ए-नबी का प्रोग्राम रहा।

जुलूस का सबसे बड़ा आकर्षण बच्चे रब्वानी कमिटी व दावते-इस्लामी के सदस्यों की ओर से प्रस्तुत किये गये नात और शान-ए-नबी का प्रोग्राम रहा।

साथियों ने इस विश्वास का घोर दुरुपयोग किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज किया। रायडीह थाना में पोस्मो एक्ट की विभिन्न धारा के तहत मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की। जांच के क्रम में पुलिस ने तीनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में चूड़ामणि नाग साहू, निवासी कोजांग सान्याकोना, थाना सुरसांग, आतिश खेरवार निवासी नवागढ़ पतराटोली, थाना रायडीह और राज राम निवासी नवागढ़ पतराटोली थाना रायडीह तीनो जिला गुमला शामिल है। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह घटना न सिर्फ इलाके को झकझोर गई बल्कि लोगों में भारी आक्रोश भी पैदा कर गयी। वहीं, पुलिस की तत्परता और त्वरित कार्रवाई से लोगों में भरोसा भी जगा है। फिलहाल सदर अस्पताल में किशोरी का इलाज चल रहा है।

रसोइया संयोजिका संघ ने मानदेय भुगतान नहीं होने पर धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड प्रदेश विधायन रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष देवकी देवी ने की। जबकि संचालन जिला कोषाध्यक्ष हीरा देवी ने किया। बैठक में जिले भर के विभिन्न प्रखंडों से आयी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिले के सभी प्रखंडों में संकुल कमेटी का गठन किया जायेगा और जन्म ही व्यापक सम्मेलन आयोजित कर रसोइयों की समस्याओं को मजबूती से उठाया जायेगा। प्रतिनिधियों ने कहा कि रसोइया बहनों को लंबे समय से बकाया मानदेय भुगतान नहीं मिला है। जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है।



बैठक में जिला कमेटी ने यह स्पष्ट फैसला लिया कि यदि दो महीने के अंदर बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया जाता है तो संघ व्यापक आंदोलन की राह अपनायेगा। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि जिन रसोइयों की उम्र 60 वर्ष पूरी हो गयी है। उनकी जगह उनकी बहू, बेटी या परिवार के किसी अन्य सदस्य को कार्यभार सौंपा जाये।

बैठक में यह भी तय हुआ कि यदि सरकार ने दो महीने के अंदर इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं किया तो डीएसड कार्यालय के

मदहोश कर देने वाले अंदाज में जब 'शान-ए-मुस्तफा' का जिक्र हुआ, तो पूरा माहौल झूम उठा। लोग झुंडे लहराते हुए मोहम्मद की मोहब्बत का इजहार कर रहे थे। वक्ताओं ने कहा कि पैगम्बर-ए-इस्लाम पूरी इंसानियत के लिए रहमत बनकर आये। आपने अंधकारमय समाज को रोशनी दी, इंसाफ, भाईचारा और मोहब्बत का पैगाम दिया।

इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया के पूर्व सचिव मो खुशींद आलम, मो मिन्हाज, मो मोख्तार, मौलाना राशिद, मो रिजवान अनवर,जुनु रैन, आफताब अंजुम, मो उस्मान, अमीर रब्वानी, रागिब रब्वानी, राजा कुरैशी, मो पप्पू,मो बंटी, मो बबलू, मो खुशींद आलम,सय्यद खालिद, अकील रहमान, मो फिरोज आलम सहित कई धर्मगुरु और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ट्रक से टकरायी बोलेरो, तीन घायल चालक गंभीर

घाघरा (आजाद सिपाही)। लोहरगढा की ओर से आ रही बोलेरो गाड़ी शुक्रवार को घाघरा स्थित जगन्नाथ विद्या पेट्रोल पंप के पास हादसे का शिकार हो गयी। बोलेरो में तीन लोग सवार थे जिनमें चालक लोकनाथ भगत, प्रतिमा देवी और सोमारी उरांव सभी नवडिहा कटटोली के निवासी शामिल थे। जानकारी के अनुसार बोलेरो चालक ग्रेने की हालत में वाहन चला रहा था। अनियंत्रित होकर उसने सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर मार दी। हादसे में तीनों यात्री घायल हो गए। इनमें चालक लोकनाथ भगत की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में इलाज जारी है। प्रतिमा देवी और सोमारी उरांव को भी प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना के बाद ट्रक चालक अपना वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

रसोइया संयोजिका संघ ने मानदेय भुगतान नहीं होने पर धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड प्रदेश विधायन रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष देवकी देवी ने की। जबकि संचालन जिला कोषाध्यक्ष हीरा देवी ने किया। बैठक में जिले भर के विभिन्न प्रखंडों से आयी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिले के सभी प्रखंडों में संकुल कमेटी का गठन किया जायेगा और जन्म ही व्यापक सम्मेलन आयोजित कर रसोइयों की समस्याओं को मजबूती से उठाया जायेगा। प्रतिनिधियों ने कहा कि रसोइया बहनों को लंबे समय से बकाया मानदेय भुगतान नहीं मिला है। जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है।



बैठक में जिला कमेटी ने यह स्पष्ट फैसला लिया कि यदि दो महीने के अंदर बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया जाता है तो संघ व्यापक आंदोलन की राह अपनायेगा। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि जिन रसोइयों की उम्र 60 वर्ष पूरी हो गयी है। उनकी जगह उनकी बहू, बेटी या परिवार के किसी अन्य सदस्य को कार्यभार सौंपा जाये।

बैठक में यह भी तय हुआ कि यदि सरकार ने दो महीने के अंदर इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं किया तो डीएसड कार्यालय के

समक्ष अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जायेगा। प्रतिनिधियों ने कहा कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। संघ की नेताओं ने कहा कि सरकार और प्रशासन लगातार विधायन रसोइयों की अनदेखी कर रही है। न तो समय पर मानदेय मिलता है और न ही सेवा सुरक्षा की गारंटी है। मजबूर होकर अब आंदोलन ही एकमात्र रास्ता बचा है। बैठक में शोभा देवी, एलिस एक्का, जसिंता बरला, कुसमिता, बासमती देवी, बिनाइकी देवी, अनिता अनवर, आशा लकड़ा सहित बड़ी संख्या में रसोइया बहनें मौजूद थीं। सभी ने एक सुर में आंदोलन की रणनीति पर सहमति जतायी और संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया।





शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को किया गया सम्मानित

धनबाद (आजाद सिपाही)। रोटरी क्लब उत्तर की ओर से शुक्रवार को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर हाउसिंग कॉलोनी स्थित धनबाद विकास विद्यालय के सभी शिक्षकों और होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को ब्रह्मांजलि अर्पित का कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद रोटरी क्लब धनबाद नाथ के अध्यक्ष बीसी ठाकुर ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जीवनी पर प्रकाश डाला। वहीं, शिक्षा एवं शिक्षक के महत्व के साथ ही उद्देश्य पर आइडी पासवान ने अपने विचार व्यक्त किया। बताया कि शिक्षा से ही खुद को, परिवार एवं समाज की दिशा सुधारा जा सकता है। शिक्षा समाज एवं देश के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। वहीं, डॉ यूएस प्रसाद ने शिक्षित बनने एवं शिक्षा के प्रचार प्रसार पर ध्यान केंद्रित करने की बातें कही। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं लेखन प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्राचार्य रेशू सिंह ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया, जबकि सचिव प्रशांत कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर डॉ एसके झा, मुख्य अभियंता अजय रंजक, डॉ महेश प्रसाद, डॉ दीपक केशरी और डॉ हर्षित कुमार आदि उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, बच्चों ने मन मोहा



मिहिजाम (आजाद सिपाही)। शिक्षक दिवस पर शिशु ज्ञान मंदिर स्कूल ने शुक्रवार को मैरेज हाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने आकर्षक नृत्य और नाट्य मंचन कर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रिलिएंट एंकेडमी संस्थान के निदेशक कृष्ण कुमार द्विवेदी ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान संस्थान की तरफ से कार्यक्रम में पहुंचे विशिष्ट अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया।

हिंदी कार्यशाला सह कवि सम्मेलन का आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में हिंदी कार्यशाला सह कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक नीता बा ने किया। कार्यक्रम में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग से महाप्रबंधक मीनम मिश्रा एवं बीके सिंह, जबकि राजभाषा विभाग से उप महाप्रबंधक आलोक कुमार उपस्थित रहे। इस दौरान ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के सहायक महाप्रबंधक शशांक शेखर ने हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में महत्व इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य महाप्रबंधक नीता बा ने कहा कि हम सभी को दैनिक कार्यों में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। इस अवसर पर हिन्दी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। बोकारो शहर के प्रख्यात कवि डॉ नरेंद्र राय एवं करुणा कालिका ने अपनी काव्य प्रस्तुति से दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। करुणा कालिका ने शृंगार रस की कविताओं से श्रोताओं को गुदगुदाया और झूमने को मजबूर कर दिया तथा डॉ नरेंद्र राय ने अपनी ओजपूर्ण कविताओं से श्रोताओं में ऊर्जा का संचार किया। वहीं, ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की मुख्य महाप्रबंधक नीता बा ने कवियों, महाप्रबंधक मीनम मिश्रा एवं बीके सिंह ने राजभाषा विभाग के अधिकारियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में अमित आनंद, प्रीति, एसएन मिश्रा, प्रशांत, तन्मय, रंजीत, एसके भोमिक आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अपर्णा स्कूल के शिक्षक को किया गया सम्मानित

धनबाद (आजाद सिपाही)। कुसुम विहार फेस टु स्थित अपर्णा पब्लिक स्कूल जूनियर इकाई में महान दार्शनिक, शिक्षक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर आयोजित होने वाला शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन जिला की प्रेसिडेंट लीना झा, अपर्णा स्कूल की डायरेक्टर सह क्लब की वाइस प्रेसिडेंट रेनु कौशल ने शिक्षिकाओं के उल्लेखनीय योगदान के लिए केक काटकर शुभकामनाएं दी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सीएसआइआर-नेट परीक्षा में बीबीएमकेयू से भौतिकी विषय में स्वयं स्वर्ण अकेले सफल छात्र

महुदा/कतरास (आजाद सिपाही)। बिनोद बिहारी कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू), धनबाद के छात्र स्वयं स्वर्ण ने जुलाई 2025 में आयोजित प्रतिष्ठित सीएसआईआर-नेट परीक्षा में भौतिकी विषय से सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय और विभाग को गौरवान्वित किया है। वे इस विषय से परीक्षा में सफल होने वाले एकमात्र छात्र हैं। भौतिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ उमामागेरेवरी ने कहा कि स्वयं स्वर्ण की लगन और मेहनत भावी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।



कोयलांचल में धूमधाम से मना ईद-मिलाद-उन-नबी पर्व, सुरक्षा चाक चौबंद

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। कोयलांचल धनबाद के निरसा अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों, गांवों एवं कस्बे में शुक्रवार को ईद-मिलाद-उन-नबी पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। वहीं, कुमारघुबी में शिवलीबाड़ी जामा मस्जिद के मौलाना मसूद अख्तर के नेतृत्व में जुलूस निकला, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। सभी के हाथों में इस्लामी झंडा था। क्षेत्र को पताको एवं विभिन्न रंगों के कपड़ों से सजाया गया था। कुमारघुबी ओवरब्रिज को भी पूरी तरह से सजाया गया था। जगह-जगह शिविर लगाकर जुलूस का स्वागत किया गया। वहीं, जिस वाहन पर मौलाना मसूद अख्तर काबिज थे उसे विशेष रूप से सजाया गया था। कुमारघुबी ओवरब्रिज के पास जिप सदस्य गुलाम कुरैशी ने मौलाना के स्वागत को लेकर मंच तैयार किया था। यहां मौलाना मसूद अख्तर एवं अन्य लोगों ने लोगों को संबोधित करते हुए



धूमधाम से मना पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का जन्मदिन

मिहिजाम (आजाद सिपाही)। हबीबनगर देवीपाड़ा मोड़ में शुक्रवार को जश्न-ए-ईद-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। जुलूस में तिरंगा और हरे रंग के झंडे लहराते रहे। इस दौरान शांति और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने जगह-जगह शर्वत और मिठाइयों की सबील लगाई। जुलूस के रूट पर पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये थे। शांतिपूर्ण तरीके से ईद-मिलाद-उन-नबी पर्व बनाने की अपील

चोरों ने एक ही रात में चार घरों को बनाया निशाना नगदी-जेवरात के साथ लाखों की संपत्ति चोरी

आजाद सिपाही संवाददाता गिरिडीह/सरिया। बड़की सरिया नगर क्षेत्र में गुरुवार की रात चोरों ने तांडव मचाते हुए चार घरों को निशाना बनाया। चोरों ने यहां से नगदी और जेवरात सहित करीब साढ़े आठ लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। इससे पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार गांव के धनेश्वर मंडल के घर से चोरों ने अलमारी तोड़कर ढाई लाख रुपए नगद, तीन भरी सोना और 20 भरी चंदी चोरी कर ली। वहीं गोबिंद सोनार के घर से 50 हजार रुपए नगदी चोरी कर ली। जबकि संतोष मंडल के घर से दो जोड़ा पायल, दो सोने का लॉकेट और नगदी सहित 50 हजार रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। इसके अलावा सहदेव मंडल के घर से भी चोरों ने 50 हजार रुपये नगदी चोरी कर ली। ग्रामीणों



बिखरे सामान दिखाती पीड़ित महिला।

ने बताया कि चोर देर रात गांव में घुसे और पीछे के कमजोर हिस्सों से घर में प्रवेश कर घटना को अंजाम दिया। पीड़ित परिवारों ने बताया कि गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा चोरी हो गया है, जिससे वे पूरी तरह टूट गए हैं। दूसरी ओर, चोरी की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। सभी ने पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही

आक्रोशित लोगों ने थाने में डाला डेरा

चोरी की घटना के बाद शुक्रवार को अपराहन 3.30 बजे गांव के सैकड़ों ग्रामीण सरिया थाना पहुंच गये। यहां पुलिस निरीक्षक अजय कुमार एवं थाना प्रभारी आलोक सिंह से मिलकर चोरों की धरपकड़ करने के लिए दबाव बनाया। वहीं, पूरी जानकारी मिलने के बाद पुलिस निरीक्षक अजय कुमार खुद चोरी हुए स्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि खोजी कुत्ते की मदद से चोरों को पकड़ने की कोशिश करेंगे। हैं, लेकिन पुलिस अपराधियों तक पहुंचने में नाकाम साबित हो रही है। उधर, ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से तुरंत कार्रवाई करते हुए इस चोरी का उद्बेदन करने और अपराधियों को गिरफ्तारी की मांग की है।

सेल और आर्ट ऑफ लिविंग का कार्यबल के समग्र सशक्तिकरण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

बोकारो (आजाद सिपाही)। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और आर्ट ऑफ लिविंग ने सेल कार्मिकों के बीच होलिस्टिक वेल-बिंग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौता ज्ञापन को सेल के निदेशक (कार्मिक) केके सिंह की उपस्थिति में, सेल-प्रबंध प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई) के कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास)



संजय घर और आर्ट ऑफ लिविंग के व्यक्ति विकास केंद्र इंडिया (वीवीकेआई) के अध्यक्ष ब्र. प्रज्ञा चैतन्य ने बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में तीन सितंबर को हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर इस सहयोग के तहत, सेल के कार्मिक आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा तैयार किए गए संरचित

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जो भावनात्मक लचीलापन, सचेतनता, नेतृत्व और व्यक्तिगत सशक्तिकरण पर केंद्रित होंगे। ये पहल सेल की एक प्रेरित, भावनात्मक रूप से सक्रिय और धीव्र के लिए तैयार कार्यबल विकसित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रंविशंकर जी ने इस अवसर पर अपना मार्गदर्शन प्रदान किया और आंतरिक सद्भाव-समग्र विकास के अपने दृष्टिकोण से इस साझेदारी को प्रेरित किया।

मुगमा एरिया के मजदूरों ने महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर दिया धरना, निरसा विधायक हुए शामिल मजदूरों की समस्याओं का प्रबंधन ने समाधान नहीं किया, तो मुगमा एरिया करेंगे अचल: अरुप चटर्जी



उत्पादन के लिए सही से उपकरण तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। मुगमा एरिया में प्रबंधक की मनमानी के चलते उत्पादन पर बहुत बड़ा असर पड़ा है। इसे लेकर प्रबंधक जल्द से जल्द

द्विपक्षीय वार्ता करें। अन्यथा मजदूर पूरे मुगमा एरिया को बंद करने के लिए विवश होंगे। वहीं, विधायक अरुप चटर्जी ने कहा कि जहां मुगमा एरिया का उत्पादन रोजाना 7000 हजार टन हुआ

करता था वह आज मात्र 1000 हजार टन पर आकर रुका हुआ है। इससे साफ जाहिर होता है कि प्रबंधक की नाकामी के चलते एरिया की स्थिति ऐसी हो गई है। प्रबंधक की मिस मैनेजमेंट के चलते चापापुर को छोड़ अन्य सभी कोलियरियों की स्थिति दयनीय है। पाटर्स, डीजल, कोयला और बाइक चोरी के अलावा मजदूरों की सुरक्षा सभी जगहों पर प्रबंधक निष्क्रिय साबित हो रही है। प्रबंधक अगर हमारी 12 सूत्री मांगों पर वार्ता नहीं करती है तो पूरे मुगमा एरिया को बंद कर दिया जाएगा।

बोकारो में अकीदत के साथ मना ईद-मिलाद-उन-नबी पर्व

बोकारो (आजाद सिपाही)। जिले में शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद मिलाद-उन-नबी का पर्व अकीदत के साथ मनाया। इस अवसर पर तकरीर मिलाद, फातिहा, नात-ए-कलाम आदि धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करने के साथ ही जुलूस भी निकाला गया। सिवनडीह, मखदुमपुर, उकरीद, भरौ, गौस नगर, अंसारी मोहल्ला सहित सभी मुस्लिम बहुल इलाकों से निकाले गये जुलूस में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। वहीं, शहर में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद



रहा। एनएच 32 - तेलगड़िया मोड़ से आइटीआइ मोड़ तक सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक सड़क के बायीं ओर सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन वर्जित रखा गया। वहीं, नयामोड़ से उकरीद मोड़ मार्ग- जुलूस के दौरान नया मोड़ से उकरीद मोड़ की ओर सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन वर्जित था। जिले भर में इस पर्व को शांति एवं सौहार्द

पूर्वक मनाने को लेकर पुलिस अधीक्षक हरचंदर सिंह खुद निगरानी कर रहे थे। वहीं, शहर में एसडीओ चास प्रांजल ढंडा, ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर, सिटी डीएसपी आलोक रंजन, मुख्यालय डीएसपी अनिमेष गुप्ता समेत सभी थानों के प्रभारी, जिला पुलिस बल व अतिरिक्त बल के साथ विधि- व्यवस्था बनाए रखने को सक्रियता पूर्वक जुटे रहे।

रहे हैं। उनके दिखाये रास्ते पर चलने का प्रण लेते हैं। वहीं, जिप सदस्य गुलाम कुरैशी ने कहा कि पैगंबर के 1500 साला

जन्मदिन सभी मिलजुल कर मनाये और खुशियां बांटे। यह पर्व गरीब असाहाय लोगों की मदद करने का पर्व है।

शिक्षक दिवस पर याद किये गये डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

बोकारो (आजाद सिपाही)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शहर के विभिन्न विद्यालयों में देश के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के आदर्शों को याद किया गया। स्कूलों बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ शिक्षकों के साथ खुशियां बांटी। साथ ही, उन्हें शुभकामनाएं भी दी। विद्यालयों में अवकाश होने के वावजूद विद्यार्थियों ने समय निकलकर शिक्षक दिवस को धूमधाम से मनाया। वहीं, माराफरी क्षेत्र अंतर्गत आरएनएल पब्लिक और संत पीटर पब्लिक स्कूल में इस अवसर पर केक काटा गया। बच्चों को संबोधित करते हुए शिक्षकों ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को महान दार्शनिक एवं प्रख्यात शिक्षाविद् बताते हुए उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। कहा कि जीवन में शिक्षक का बहुत बड़ा योगदान होता है।



शिक्षक दिवस पर पीएएस में हुआ समारोह



बोकारो (आजाद सिपाही)। शिक्षक दिवस पर दी पेंटीकोस्टल असेंबली स्कूल में भी समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूल के संस्थापक डॉ डीएन प्रसाद और शैक्षणिक अधिकारी रीता प्रसाद ने पीएएस परिवार को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय की मूल्य-आधारित शिक्षा की परंपरा को रेखांकित किया। प्रशासनिक अधिकारी डेनियल माइकल प्रसाद ने शिक्षकों को विद्यालय की सबसे बड़ी शक्ति बताया। वहीं, प्राचार्य डॉ करुणा प्रसाद ने शिक्षकों की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि वे कक्षा में सीखे मूल्यों को जीवन में आचरण के रूप में अपनाएं। कहा कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्शों से प्रेरित पीएएस परिवार, शिक्षा को केवल अंकों तक सीमित न मानकर, उसे मानव मूल्यों का संचार करने और गति देनेवाला मानता है।

जमीन विवाद सुलझाने गयी पुलिस पर हमला, दरोगा की वर्दी फाड़ी, सिर फोड़ा

आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जूटी पुलिस



आजाद सिपाही संवाददाता बोकारो। चास मुफस्सिल थाना अंतर्गत काला पत्थर गांव में शुक्रवार को जमीन विवाद में हुए झगड़े को सुलझाने पहुंची पुलिस पर ही दोनों पक्षों के लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने सब इंस्पेक्टर मकसूद आलम की वर्दी फाड़ दी और उनके सिर पर वार कर घायल कर दिया। उधर, मामले की जानकारी मिलने पर आसपास के थानों से पहुंची पुलिस ने स्थिति को काबू में किया और करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया। इस बाबत मीडिया को जानकारी देते हुए चास एसडीपीओ प्रवीण सिंह ने बताया

कि काला पत्थर गांव में एक पुराने जमीन विवाद में शमां और गौराई पक्ष के बीच अपने-अपने कब्जे को लेकर झगड़ा हो गया। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस झगड़े को निपटाने के लिए जब घटनास्थल पर पहुंची तो दोनों पक्ष के लोग पुलिस से ही उलझ गये। सब इंस्पेक्टर मकसूद आलम के साथ बहस करने लगे। इसी क्रम में उन लोगों ने उनके साथ मारपीट करने हुए वर्दी फाड़ दी और सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे वे घायल हो गये। मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास थाना क्षेत्र

से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंची और आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया। एसडीपीओ ने बताय कि यह विवाद काफी पुराना है। जमीन का टाइटल सूट चल रहा है। बावजूद इसके दोनों पक्ष इस जमीन अपना-अपना दावा ठोक रहे थे और जबरन कब्जे का प्रयास कर रहे थे। इसी क्रम में दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। पुलिस इन्हें समझाने गई थी। उन्होंने बताया कि इस पूरे प्रकरण पर प्राथमिक की दर्ज कर अग्रेतर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

वर्षों पहले बनकर तैयार यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय अब तक नहीं हो सका संचालित



गिरिडीह (आजाद सिपाही)। परियाना स्थित यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय की उपेक्षित स्थिति ने एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। करोड़ों रुपये की लागत से बने इस महाविद्यालय का संचालन अब तक शुरू नहीं हो पाया है, जबकि भवन और दवाइयों की भारी मात्रा वर्षों से अनुपयोगी पड़ी है। शुक्रवार को चांद रशीद खान, सैयद सबिह अशरफ और खुशीद अनवर हादी जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कॉलेज परिसर का दौरा किया तो हालात देखकर उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान पाया कि क्लासरूम, ऑफिस और चिकिटर धूल और जालों से भरे पड़े हैं। दीवारें जगह-जगह से

वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता सह रुद्र फाउंडेशन के सचिव सैयद सबिह अशरफ ने कहा कि यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय का बंद रहना बेहद दुःखद है। यदि यह कॉलेज चालू हो जाए तो स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार होगा। वहीं, खुशीद अनवर हादी ने कहा कि इस कॉलेज पर जनता की गाढ़ी कमायी के करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं। यदि इसका उपयोग नहीं किया गया तो यह सोची जनता की संपत्ति को बर्बादी होगी। हमारी मांग है कि सरकार तुरंत फैकल्टी नियुक्त करे, क्लास शुरू करे और हॉस्पिटल की सुविधाएं चालू करे। यदि जल्द पहल नहीं हुई तो हम आंदोलन करने को भी मजबूर होंगे।



शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस

● बिजनेसमैन कोठारी ने केस किया, आरोप-कपल को 60 करोड़ दिये थे, रकम निजी खर्च में लगायी

आजाद सिपाही संवाददाता
मुंबई। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। एक सीनियर पुलिस ऑफिसर ने बताया कि दोनों ही अक्सर विदेश यात्रा करते हैं, जिसकी वजह से ये कदम उठाया गया है। लुकआउट सर्कुलर का मकसद बिना किसी रुकावट जांच को पूरा करना है। बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने 14 अगस्त को शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई



पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (एडह) में मामला दर्ज कराया था। दीपक का कहना है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने बिजनेस बढ़ाने के लिए कपल को कुल 60.48 करोड़ रुपये दिए, लेकिन यह रकम निजी खर्चों में लगा दी गयी।

शिल्पा कंपनी की 87% हिस्सेदार थीं : दीपक कोठारी के मुताबिक उनकी मुलाकात साल 2015 में एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से हुई थी। उस समय दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे और शिल्पा के पास कंपनी के 87% से ज्यादा

अप्रैल 2015 में पहली 31.95 करोड़ की पेमेंट हुई
अप्रैल 2015 में कोठारी ने करीब 31.95 करोड़ रुपए की पहली पेमेंट की। टैक्स से जुड़ी परेशानी जारी रहने पर सितंबर में दूसरी डील हुई और जुलाई 2015 से मार्च 2016 के बीच उन्होंने 28.54 करोड़ रुपए और ट्रांसफर किये। कुल मिला कर कोठारी ने 60.48 करोड़ रुपये दिये। साथ ही 3.19 लाख रुपये स्टॉप इयूटी के रूप में चुकाये। कोठारी का दावा है कि अप्रैल 2016 में शिल्पा ने उन्हें पर्सनल गारंटी भी दी थी, लेकिन उसी साल सितंबर में उन्होंने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद शिल्पा की कंपनी पर 1.28 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाने का मामला सामने आया। कोठारी को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कई बार अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन कोई जवाब और पैसे नहीं मिले।

शेयर थे। एक मीटिंग में तय हुआ कि शिल्पा और राज कुंद्रा की कंपनी को दीपक लोन देंगे। कंपनी के लिए 75 करोड़ रुपये का लोन मांगा था, जिस पर 12% सालाना ब्याज तय हुआ। दीपक कोठारी का आरोप है कि बाद में शिल्पा और राज ने उनसे कहा कि लोन पर टैक्स की परेशानी आ सकती

है, इसलिए इसे इन्वेस्टमेंट के रूप में दिखाते हैं और हर महीने रिटर्न देंगे। पहले मामला जुहु पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत दर्ज हुआ। चूंकि रकम 10 करोड़ से ज्यादा थी, इसलिए जांच आर्थिक अपराध शाखा को सौंप दी गयी है, जो इस केस की जांच कर रही है।

मुंबई में अनंत चतुर्दशी से पहले धमाकों की धमकी

- 400 किलो आरडीएक्स लेकर जा रहे 34 मानव बम
- इस धमकी भरे मैसेज के बाद मुंबई पुलिस हुई अलर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता
मुंबई। मुंबई पुलिस को एक व्हाट्सएप नंबर से मिले धमकी भरे मैसेज ने सभी को अलर्ट मोड में डाल दिया है। मैसेज भेजने वाले ने दावा किया कि 34 वाहनों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स ले जा रहे 34 मानव बम भेजे गये हैं, ताकि विस्फोट किया जा सके जो पूरे शहर को हिला देगा। इस मैसेज में यह दावा किया गया है कि ये लश्कर-ए-जिहाद संगठन भेजा गया है। मैसेज में दावा किया गया है कि 14

पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस आये हैं। एक अधिकारी ने कहा, मुंबई पुलिस पूरी तरह से सतर्क है और पूरे राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। खतरे के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। यह खबर ऐसे समय में आयी है जब मुंबई पुलिस शहर में अनंत चतुर्दशी और ईद-ए-मिल्लाद त्योहारों की तैयारियों में जुटी है। वहीं मुंबई पुलिस के अधिकारी ने आगे कहा, हमें अपनी हेल्पलाइन पर अनजान नंबरों से ऐसे धमकी भरे मैसेज मिलते रहते हैं। ज्यादातर ये मैसेज या तो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ रहे लोगों के होते हैं या फिर शराब के नशे में धुत लोगों के होते हैं। अधिकारी ने कहा, हालांकि जब भी हमें ऐसा कोई संदेश मिलता है, तो हमें उसे गंभीरता से लेना होता है और ऐसे मामलों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करना होता है।

काशी और मथुरा पर बातचीत के लिए तैयार मौलाना मदनी

- मोहन भागवत के सुझाव का समर्थन किया
- पहले कहा था, मथुरा और काशी हिंदू समुदाय को सौंप देने चाहिए

आजाद सिपाही संवाददाता
नयी दिल्ली। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि मथुरा और काशी हिंदू समुदाय को सौंप देने चाहिए।



मदनी ने भागवत के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि आपसी मतभेद मिटाकर सहभागिता के लिए मुस्लिम समुदाय को साथ आना चाहिए। एक साक्षात्कार में इस्लामिक विद्वान ने कहा कि उनके संगठन ने पहले ही सहभागिता के पक्ष को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव पारित किया है,

जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि दोनों समुदायों के बीच मतभेद हैं जिन्हें कम करने का प्रयास किया जाना चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत का समर्थन करते हैं: न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए मदनी ने कहा, दोनों समुदायों के बीच बहुत सारे मतभेद हैं। मेरे संगठन ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि दोनों समुदायों के बीच बातचीत होनी चाहिए। मतभेद है लेकिन हमें उन्हें कम करने की जरूरत है। हम बातचीत के सभी प्रयासों का समर्थन करेंगे।

लालू का मोदी पर तंज मोदी जी विकट्री चाहिए बिहार से, फैक्ट्री दीजियेगा गुजरात में

बिहार (आजाद सिपाही)। बिहार विधानसभा चुनाव के एलान से पहले राज्य का सियासी पारा गर्म है। सत्तारूढ़ दल और विपक्ष एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। इसी बीच राजद चीफ लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा, ए मोदी जी, विकट्री चाहिए बिहार से और फैक्ट्री दीजियेगा गुजरात में? ये गुजराती फार्मुला बिहार में नहीं चलेगा।

और गर्म कर दिया। राजद चीफ लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए एक पोस्ट लिखा, ए मोदी जी, विकट्री चाहिए बिहार से और फैक्ट्री दीजियेगा गुजरात में? ये गुजराती फार्मुला बिहार में नहीं चलेगा।

शिक्षकों को सीएम योगी का तोहफा

लखनऊ। शिक्षक दिवस के मौके पर सीएम योगी ने शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को तोहफा दिया है। सीएम योगी ने कहा कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाया जायेगा। प्रदेश में शिक्षकों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। इसमें बेसिक माध्यमिक वित्त विभिन्न अशासकीय विद्यालयों के 9 लाख शिक्षक लाभांशित होंगे। इसके अलावा शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइयों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। वहीं एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्तुति देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेय की घोषणा करेगी।

खग्रास चंद्र ग्रहण भारत में कल रात 9.58 बजे से शुरू होगा

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। आगामी 7 सितंबर भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि रविवार को भारतीय समय अनुसार रात्रि 9:58 मिनट से प्रारंभ होकर रात्रि के 1:26 मिनट तक होने वाला खग्रास चंद्र ग्रहण संपूर्ण भारत से दिखायी देगा।



पंडित रामदेव पांडेय बताते हैं कि 7 सितंबर को दिखने वाला चंद्र ग्रहण एकदम लाल दिखेगा, जिसे ब्लड मून के नाम से भी जाना जाता है। चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और शतभिषा नक्षत्र में शुरू होगा और ये चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वभाद्रपद नक्षत्र में समाप्त होगा। सूतक : खग्रास चंद्रग्रहण का सूतक मध्याह्न में 12:58 से प्रारंभ हो जायेगा और ग्रहण का समय रात्रि 9 बजकर 58 मिनट से 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। सूतक में बाल, वृद्ध, रोगी, आसक्तजनों को छोड़ कर अन्य

सभी को भोजन, शयनादि नहीं करना चाहिए। ग्रहण प्रारंभ होने से पूर्व स्नान, मध्य में जप यज्ञ पूजा-पाठ और अंत में दान समाप्त होने पर पुनः स्नान करना चाहिए। राशियों पर असर: इस ग्रहण का बारह राशियों पर भी असर रहेगा। इसमें मेष राशि- स्वास्थ्य हानि चिंता। वृष राशि- मानसिक क्लेश चिंता। मिथुन राशि- सफलता में सहायक। कर्क राशि- अचानक धन लाभ। सिंह राशि- व्यवसाय में व्यवधान। कन्या राशि- शाररिक कष्ट। तुला राशि- व्यर्थ धन खर्च। वृश्चिक राशि- राजनीतिक पद

उन्नति। धनु राशि- यात्रा का अवसर। मकर राशि- परिवारिक विवाद। कुंभ राशि- घनिष्ठ मित्र से छल और मीन राशि- सौख्य समृद्धि कारक रहेगा। चंद्र ग्रहण बहुत ही खास : पंडित रामदेव पांडेय बताते हैं कि इस बार का चंद्र ग्रहण बहुत ही खास माना जा रहा है, क्योंकि इस दिन से 15 दिनों के पितृ पक्ष यानी श्राद्ध पक्ष की शुरुआत होने जा रही है। इसलिए, इस दिन अमर पितरों का श्राद्ध या पिंडदान करना हो तो चंद्र ग्रहण का सूतक काल शुरू होने से पहले ही सभी अनुष्ठान पूर्ण कर लें। चंद्र ग्रहण के बाद दूध, अन्न, फल और सफेद चीजों का दान करें। इसके अलावा, ग्रहण के अगले दिन मंदिर जाकर पंडितों को दान दें और दक्षिणा भी दें। इसी दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत हो रही है, इसलिए इस दिन अपने पितरों का स्मरण करके गरीबों को दान जरूर करें।

शिक्षक वह दीपक हैं, जो अज्ञान के अंधकार को मिटा कर ज्ञान का उजाला फैलाते हैं : लक्ष्मण प्रसाद सिंह

धनवार (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने कहा कि हम हर साल 5 सितंबर को डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं। इस खास दिन को हम अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। शिक्षक ही वह दीपक हैं, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का उजाला फैलाते हैं। वे सिर्फ किताबों का पाठ नहीं पढ़ाते, बल्कि जीवन जीने के सच्ची राह दिखाते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारे जीवन की हर सफलता के पीछे किसी न किसी शिक्षक का मार्गदर्शन और आशीर्वाद छिपा होता है। किसी भी छात्र के उज्ज्वल भविष्य और कामयाबी में जितनी भूमिका माता-पिता की होती है, उससे कहीं ज्यादा शिक्षकों की होती है। गुरु गोविंद दोऊ खड़े, कांके लागू पांय। बलिहारी गुरु अपने गोविंद दियो बताय। भारत देश में गुरु-शिष्य की परंपरा सदियों से चली आ रही है। शिक्षक सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं।



आवश्यकता

G7 सिक्योरिटी गार्ड

Guard - 14000
Supervisor - 16000
In Hand Salary

CHOWKA HATA

Mobile No- 8969779654, 7004602184

Yogendra Mistri : 9199053376 Amin Macanic : 8617878251

NEW MOTOR KRAFT

(A Multi Brand Car Service Center)

SERVICE DENTING AND PAINTING BREAKDOWN SERVICE
AC WORK PICKUP AND DROP SERVICE FREE
Available Genuine Parts With Genuine Service Charges.

Add : Khelgaon Road, Khatanga, Ranchi, Jharkhand

GO *Greens* **HURRY-E**

CHARGE ANYWHERE
No Charging Station Required
3 Hours Charging Time

100 km Cost ₹15 3 Years Warranty Range Upto 130 - 200 Kms As Per Model Available in Registration & Non Registration Models

CONTACT FOR DEALERSHIP

J.K. SALES

Pillar No. 83, In Between O.T.C. Ground & Piska More,
Ratu Road, Beside M-Bazar, Lakdi Tall, Ranchi
M.- 9386070011

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X	Class - IX
• Hindi ₹ 150	• Hindi ₹ 150
• English ₹ 150	• English ₹ 150
• Mathematics ₹ 150	• Mathematics ₹ 150
• Science ₹ 150	• Science ₹ 150
• Social Science ₹ 150	• Social Science ₹ 150
• Sanskrit ₹ 150	• Sanskrit ₹ 150
• Hindi – B ₹ 150	• Hindi – B ₹ 150
• Hindi Vyakaran– II ₹ 120	• Hindi Vyakaran– II ₹ 120
• English Grammar– II ₹ 130	• English Grammar– II ₹ 130
• Sanskrit Vyakaran–II ₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II ₹ 100
• Hindi Practical ₹ 60	• Hindi Practical ₹ 60
• English Practical ₹ 60	• English Practical ₹ 60
• Maths. Practical ₹ 70	• Maths. Practical ₹ 70
• Science Practical ₹ 70	• Science Practical ₹ 70
• S. Science Practical ₹ 75	• S. Science Practical ₹ 75
• Sanskrit Practical ₹ 60	• Sanskrit Practical ₹ 60
• Maths. Practical (Combined) ₹ 90	• Maths. Practical (Combined) ₹ 90
• Science Practical (Combined) ₹ 90	• Science Practical (Combined) ₹ 90

English Medium	English Medium
• Mathematics ₹ 200	• Mathematics ₹ 230
• Science ₹ 220	• Science ₹ 200
• Social Science ₹ 230	• Social Science ₹ 230
• Maths. Practical ₹ 80	• Maths. Practical ₹ 80
• Science Practical ₹ 80	• Science Practical ₹ 80
• S. Science Practical ₹ 100	• S. Science Practical ₹ 90

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

RVS COLLEGE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
JAMSHEDPUR, JHARKHAND
Approved by AICTE, New Delhi and Affiliated to Jharkhand University of Technology, Ranchi

ADMISSIONS OPEN
FEW SEATS AVAILABLE

Programs Offered

Hurry! Enroll Now!

Diploma | B.Tech
M.Tech | BBA | BCA | MCA

Tech-Enabled Campus • Future-Proof Careers

One Visit. One Decision. Admission on the Spot!

For more details, Visit:
www.rvscollege.ac.in

Top Recruiters & Trainers

Max. ₹ 10 lacs/Annum | Average ₹ 4.5 lacs/Annum

TOP REASONS TO BE A PART OF RVSCET

1	21 Years of Excellence in Education	6	Over 1 Crore in Scholarships Annually
2	3900+ Successful Placements with a Global Alumni Network	7	15+ Prestigious International and National Conferences
3	50+ MoUs with Leading Recruiters and Academic Partners	8	9 Gold Medalists and University Toppers
4	45+ Top Companies Recruit Annually	9	65+ Advanced Laboratories
5	State-of-Art AI, IoT, VLSI, AVO UPS Labs	10	35+ Acres of Lush Green Campus

Call Now to Apply 7033000777 | 9334649779

Campus: Edalbera, Bhilai Pahari, NH-33, Jamshedpur - 831012, Jharkhand (INDIA)